अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 229 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 13 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

यूपी पंचायत चुनाव में हटाए गए 11 में से दो अध्यक्षों को लेकर अखिलेश यादव का बड़ा फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पंचायत चुनाव के दौरान हटाए गए दो जिलाध्यक्ष बहाल कर दिए हैं जबकि दो जिलों में नए अध्यक्ष नियुक्त कर दिए हैं। इस संबंध में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने गुरुवार को आदेश पत्र जारी कर दिया। मुरादाबाद में धर्मपाल उर्फ डीपी को दुबारा अध्यक्ष बनाया गया है। श्रावस्ती में सर्वजीत को भी बहाल कर दिया गया। इसके विपरीत आगरा में मधुसूदन शर्मा को नया अध्यक्ष बनाया गया है। गोंडा में आनंद स्वरूप पप्पू भी नए जिलाध्यक्ष बने हैं। बता दें कि पंचायत चुनाव में कई जगह प्रत्याशियों के इधर उधर हो जाने, पर्चा न भरा पाने आदि कई मामलो में लापरवाही के चलते सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 11 जिलाध्यक्षों को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया था। अब चार जिलो में तैनाती के बाद बाकी सात जिलों के बाबत जल्द निणन्य लिया जाएगा।

यूपी : 1200 गांवों की पांच लाख से ज्यादा आबादी बाढ़ से प्रभावित

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के 23 जिलों के 1200 गांवों की पांच लाख से अधिक आबादी बाढ़ से प्रभावित है, जहां बचाव और राहत अभियान जारी है। राहत आयुक्त कार्यालय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 23 जिलों के 1243 गांवों में 5,46,049 की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज, चित्रकूट, कौशांबी, प्रतापगढ़, बस्ती, गोंडा, सुल्तानपुर, श्रावस्ती, लखनऊ, रायबरेली और फतेहपुर सहित 11 जिलों में पिछले 24 घंटे में 25 मिमी या उससे अधिक बारिश हुई है। सिंचाई विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बदायूं, प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, गाजीपुर और बलिया में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जबकि औरैया, जालौन, हमीरपुर, बांदा और प्रयागराज जिलों में यमुना नदी लाल निशान के करीब है।इसी तरह, बेतवा नदी हमीपुर में और शारदा नदी पलिया कलां (खीरी) में और चंद्रदीप घाट (गोंडा) में क्वानो नदी खतरे के निशान से ऊपर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच अब तक 20,768 राशन किट और 167213 खाने के पैकेट बांटे जा चुके हैं। लोगों की मदद के लिए जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और राज्य पीएसी को तैनात किया गया है।

हवाई सर्वेक्षण के बाद नाव से सीएम योगी ने जाना वाराणसी में बाढ़ का हाल

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में बाढ़ के कारण मचे हाहाकार के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार की दोपहर खुद इसका हाल जानने पहुंचे। सीएम योगी ने पहले हवाई सर्वेक्षण कर हेलीकाप्टर से बाढ़ की स्थिति देखी। उसके बाद एनडीआरएफ की नाव से बाढ़ का हाल जानते हुए पीडि़तों तक पहुंचे। बाढ़ पीड़ितों को अपने हाथों से राहत सामग्री भी वितरित किया। लखनऊ से हेलीकाप्टर से वाराणसी पहुंचे सीएम योगी ने सबसे पहले गंगा और वरुणा के बाढ़

प्रभावित इलाकों को हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद संपूर्णानंद यूनिवर्सिटी में बने हेलीपैड पर लैंड करने के बाद कार से भैसासुर घाट पहुंचे। वहां से एनडीआरएफ की नाव से गंगा से होते ही वरुणा नदी में बाढ़ का हाल जानने सरैयां तक गए। सरैयां से सीएम योगी आलिया गार्डेन पहुंचे और बाढ़ पीडि़तों का हाल जाना और भरोसा दिया कि चिंता की कोई बात नहीं, आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। हर संभव उनकी मदद की जाएगी। उन्होंने मौके पर अधिकारियों से राहत कार्यों के बारे में जानकारी करते हुए निर्देशित किया कि बाढ़ पीडि़तों की मदद में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए।यहां से मुख्यमंत्री जेपी मेहता इंटर कॉलेज राहत केंद्र पर पहुंचे और यहां पर रह रहे 60 से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवारों के लोगों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें मिल रहे राहत सुविधाओं की भी जानकारी ली।

पूर्व सांसद अतीक अहमद और भाई पूर्व विधायक अशरफ पर आरोप तय

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माननीयों की अदालत ने पूर्व सांसद अतीक अहमद के विरुद्ध 31 साल पुराने मामले में तथा उनके भाई पूर्व विधायक अशरफ के विरुद्ध 5 वर्ष पुराने मामले में आरोप तय किया। दोनों ने आरोपों से इंकार करते हुए मामले का परीक्षण कराने की मांग की। अदालत ने 27 अगस्त को गवाहों को पेश करने का आदेश सरकारी पक्ष को दिया है। यह आरोप विशेष न्यायाधीश आलोक कुमार श्रीवास्तव ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों एडीजीसी राजेश कुमार गुप्ता, वीरेंद्र कुमार सिंह तथा अतीक अहमद की ओर से पेश अधिवक्ताओं के तर्कों को सुन कर तय किया।

'पहली बार राज्यसभा में सांसदों की हुई पिटाई', राहुल गांधी ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, विपक्ष ने सड़क पर दिखाया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेगासस जाजूसी कांड से लेकर कृषि कानूनों के खिलाफ राहुल गांधी की अगुवाई में आज विपक्षी दलों के सांसदों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। पेगासस जाजूसी कांड, किसान समेत कई मसलों पर मोदी सरकार को घेरने और दबाव बनाने के लिए राहुल गांधी संग करीब 15 विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद भवन से विजय चौक की ओर मार्च किया। इसके तुरंत बाद राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला और आरोप लगाया कि पहली बार राज्यसभा में सांसदों की पिटाई की गई और विपक्षी सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की गई। बता दें कि संसद से विजय चौक तक इस मार्च में बैनर और तख्ती लिए राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकाजुर्न खड़गे, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा, शिवसेना के संजय राउत और अन्य नेता मार्च में शामिल हुए।

मार्च के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि संसद सत्र के दौरान लोकतंत्र की हत्या की गई। विपक्ष पेगासस जासूसी कांड, किसानों की समस्यायें और कई अन्य मुद्दों पर चर्चा कराना चाहता था मगर सरकार ने उसे नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि संसद का सत्र समाप्त हो गया है। देश की 60 फीसदी आवाज को कुचला गया, अपमानित किया गया, राज्यसभा में सांसदों को पीटा गया। आज हमें आपसे (मीडिया) बात करने के लिए यहां आना पड़ा क्योंकि हमें (विपक्ष) संसद में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। यह लोकतंत्र की हत्या है। मीडिया के सवालों के जवाब में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पहली बार राज्यसभा में पहली बार सांसदों की पिटाई की गई। उन्होंने कहा कि बाहर से लोगों को बुलाया गया और सांसदों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई।

हम न्याय व्यवस्था का एक शेर खो रहे हैं, जस्टिस नरीमन के रिटायरमेंट पर बोले चीफ जस्टिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस रोहिंटन फली नरीमन सुप्रीम कोर्ट में सात सालों तक अपनी सेवाएं देने के बाद गुरुवार को रिटायर हो गए। जस्टिस नरीमन को विदाई देते समय चीफ जस्टिस ने उनके काम की तारीफ करते हुए कहा, हम भारतीय न्याय व्यवस्था के एक शेर को खो रहे हैं। 7 जुलाई 2014 को सवीच्च अदालत के जज बने जस्टिस नरीमन ने 13,500 से अधिक केसों का निपटारा किया और कई ऐतिहासिक फैसले दिए जिनमें गोपनीयता को मौलिक अधिकार करार देना, गिरफ्तारी को सक्षम बनाने वाले आईटी अधिनियम के प्रावधान को हटाना, सहमति से समलैंगिक सेक्स को अपराध से मुक्त करना और केरल के सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को प्रवेश देने का फैसला शामिल है।

इसरो का ईओसएस-03 उपग्रह मिशन हुआ फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो का अहम मिशन तीसरे चरण में विफल हो गया. धरती पर निगरानी रखने वाले उपग्रह ईओएस-03 का प्रक्षेपण गुरुवार सुबह हुआ लेकिन उसमें तकनीकी गड़बड़ी आ गई.भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को गुरुवार को एक गंभीर झटका लगा. उएथ=इ10/धिंए-03 रॉकेट जियो-इमेजिंग सैटेलाइट-1 (जीआईएसएटी-1) को कक्षा में स्थापित करने के अपने मिशन में विफल हो गया. इस सैटेलाइट ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से गुरुवार सुबह 5.43 बजे उड़ान तो भरी लेकिन तय समय से कुछ सेकेंड पहले तीसरे स्टेज (क्रायोजेनिक इंजन) में गड़बड़ी आने से यह ऑर्बिट में स्थापित नहीं हो सका।मिशन की विफलता की घोषणा करते हुए, इसरो अध्यक्ष के सिवन ने कहा, ठक्रायोजेनिक चरण में देखी गई तकनीकी विसंगति के कारण मिशन पूरा नहीं किया जा सका है।

जातीय जनगणना पर क्यों अड़ा है बिहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बीजेपी शासित राज्यों में आबादी पर नियंत्रण के लिए कानून बनाने की पहल हो रही है तो बिहार में बीजेपी के साथ शासन कर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं. आखिर ये विवाद है क्यों?बिहार में बीजेपी के साथ सरकार चला रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनसंख्या नियंत्रण कानून को गैर जरूरी बताकर जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं. केंद्र सरकार के साफ इनकार के बावजूद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है और उनसे मिलने का इंतजार कर रहे हैं. इसे लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के फिर मुखर होने से सियासत तेज हो गई है. बिहार में एनडीए सरकार की प्रमुख सहयोगी भाजपा पसोपेश में है और वह पार्टी की रणनीति के तहत जनसंख्या नियंत्रण कानून की हिमायत कर रही है. दरअसल, सारा खेल अन्य पिछड़ी जातियों के वोट बैंक का है. इनकी आबादी 52 फीसद बताई जाती है. राजनीतिक दलों के बीच ओबीसी के सच्चे हितैषी का क्रेडिट लेने की होड़ लग गई है. अंग्रेजों के शासन में आखिरी जातीय जनगणना भारत में आखिरी बार 1931 में जातिगत आधार पर जनगणना की गई थी. द्वितीय विश्वयुद्ध छिड़ जाने के कारण 1941 में आंकड़ों को संकलित नहीं किया जा सका था. आजादी के बाद 1951 में इस आशय का प्रस्ताव तत्कालीन केंद्र सरकार के पास आया था, लेकिन उस समय गृह मंत्री रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल ने यह कहते हुए प्रस्ताव खारिज कर दिया था कि इससे समाज का ताना-बाना बिगड़ सकता है. 1951 के बाद से लेकर 2011 तक की जनगणना में केवल अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति से जुड़े आंकड़े प्रकाशित किए जाते रहे. 2011 में इसी आधार पर जनगणना हुई, किंतु अपरिहार्य कारणों का हवाला देकर इसकी रिपोर्ट जारी नहीं की गई. कहा जाता है कि करीब 34 करोड़ लोगों के बारे में जानकारी गलत थी. कमोबेश, हर जनगणना के पहले जातीय जनगणना की मांग की जाती रही है।

बहरिया सी एच सी में वैक्सीनेशन में उड़ी कोविड-19 गाइडलाइन की धज्जिया

पुलिस प्रशासन व अधीक्षक तथा डाक्टरों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

अखंड भारत संदेश

बहरिया। यूपी सरकार कोविड19 की रोकथाम व तीसरी लहर पर काबू पाने के लिए मेडिकल कॉलेज व स्वास्थ्य सामुदायिक केन्द्रों पर प्रोटोकाल गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए वैक्सीनेशन करवाने के लिए फरमान जारी किया है।लेकिन बहरिया मैलहा सी एच सी में डाक्टरो की लापरवाही से सैकड़ों की संख्या में वैक्सीनेशन करवाने आये महिलाए व पुरूषो की लम्बी कतारो में कई घंटों तक इंतज़ार करना पड़ा।सामुदायिक केन्द्र के स्टाफ के कार्य मे शिथिलता के लोगों को बड़ी मशक्कत झेलनी पड़ी।सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पुलिस प्रशासन की ब्यवस्था दुरूस्त न होने के कारण कोविड 19 प्रोटोकाल गाइडलाइन दो गज की दूरी व मास्क है।जरूरी का फार्मूला फेल होते हुए दिखाई पड़ रहा है।तथा लोगों को कोरोना वायरस से तनिक भी भय नही लग रहा है।वे प्रोटोकाल गाइडलाइन की अनदेखी करते हुए बिना मास्क व सोशल डिस्टेन्सिग का अनुपालन न करते हुए भीड़ के रूप में लम्बी कतारो में खड़े हुए नजर आए।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत फिट इण्डिया फ्रीडम रन-2 का आयोजन 13 अगस्त को

प्रयागराज। पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, फाफामऊ ने बताया है कि आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत फिट इण्डिया फ्रीडम रन-2 का आयोजन दिनांक 13 अगस्त, 2021 प्रातः 07:30 बजे चन्द्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित किया गया है। युवा और खेल मंत्री के द्वारा ऑनलाईन/वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्मिकों/प्रतिभागियों से बातचीत की जाएगी। इस अवसर पर 03 किमी0 दौड़ का आयोजन किया जायेगा, जिसमें पुरूष व महिला कार्मिकों/ प्रतिभागियों को शामिल किया जायेगा।

पानी के रिसाव से ढहा कच्चा खपरैल घर

अखंड भारत संदेश

करछना। बीते तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश अब गरीबों के लिए मुसीबत साबित हो रही है। लगातार बरसात होने से गरीबों का आशियाना गिरने का सिलसिला जारी है। क्षेत्र में अब तक एक दर्जन से अधिक गरीबों के आशियाने पानी के रिसाव से जमिदोज हो चुके हैं। जिसेस बरसात के दिनों में इन परिवारों के सामने कई प्रकार की विषम परिस्थितियां उत्पनन हो गई है। बुधवार की रात करछना तहसील के अंतर्गत खाई गांव निवासी महावीर आदिवासी का कच्चा खपरैल घर पानी के निशाव से भरभरा कर ढह गया। जिसके मलबे में दबकर गृहस्ती का सारा सामान नष्ट हो गया। जिसे पीडि़त परिवार लाचार व विवस है । वही पीडि़त परिवार बरसात के दिनों में सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर है। इसी तरह सप्ताह भर के भीतर खाई गांव निवासी लालजी कुशवाहा, बबलू हरिजन का कच्चा खपरैल घर पानी के रिसाव से ढह चुका है।

बाढ प्रभावित लोगों का प्रशासन तत्काल मदद् करें, अथवा तहसील का करेंगे घेराव- विजय राज

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील क्षेत्र के गंगा टोंस नदी के बाढ प्रभावित गांवों में बडी संख्या में लोग गांवों में पानी प्रवेश कर जाने से लोगों की मुश्किलें बढ गयी है, लोगोंका आवागमन से लेकर बिजली पानी के लिए भटक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार की मशीनरी सिर्फ कागजों पर दिखा कर खाना पूर्ति करने में सरकारीपैसे की लूट पाट करने में लगे हैं, बाढ प्रभावित लोगों तक अभी तक प्रशासन की ओर से कोई खाने पीने की ब्यवस्था नहीं पहुंचाई जा रही है ।जिसको लेकर सपा ब्लाक पूर्व प्रमुख विजय राज सिंह उर्फ राजू सिंह, प्रधान बसही हिमान्शु सिंह ने क्षेत्र के

बसही ग्राम पंचायत स्थित पतुलकी, नारायणपुर ,कोटहा दो दिशाओँ से पानी से घिर गए है कई घरों के रास्ते बंद हो गए है ।बबुरा,लकतहा गॉव की स्थिति बहुत ही दयनीय है गांव के 80 प्रतिशत घरो में पानी घुस गया है बिजली सप्लाई काट दी गयी लोग अँधेरे में रहने को मजबूर है जिससे जहरीले जंतुओं का खतरा बढ़ गया है ।गंगा जी की तलहटी के जंगली जानवर ग्रामीण वासियों को निशाना बना रहे है ।प्रशासन का रवैया उदासीन है विजय राज सिंह उर्फ राजू सिंह ने एसडीएम करछना को चेतावनी दी है कि अगर तहसील प्रशासन बाढ प्रभावित लोगों की मदद करने मे लापरवाही करता है तो सपा कार्यकर्ता तहसील करछना का घेराव करने को बाध्य होंगे।

फौजी के गिरे रुपए लेकर फरार पैसे सहित पांच लोग गिरप्तार

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेज। प्रयागराज मेजा के ऊंचडीह बाजार मे रिटायर्ड फौजी की दुकान मे उसके गिरे हुए ऊपर लेकर पांच लोग फरार हो गए। फौजी ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मेजा पुलिस ने पैसे सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

बता दें रिटायर्ड फौजी राममिलन पुत्र गुलाब चंद निवासी कोढ़निया ने ऊंचडीह बाजार मे अपनी सब्जी की दुकान पर जेब में 70 हजार रुपए लेकर बैठे थे। उनका रुपया दुकान में ही गिर गया। दुकान में मौजूद राजकुमार, राजू कुमार, महेंद्र कुमार, उमेश कुमार, कृष्ण मुरारी निवासीगण मेडरा उक्त रुपए लेकर गायब हो गए। कुछ देर बाद फौजी ने देखा कि रुपए जेब से गायब हैं तो उनके होश उड़ गए।

फौजी ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से देखा कि उनका रूपया दुकान में गिरा था और जो लोग बैठे थे वह लेकर भाग गए। फौजी ने सूचना मेजा पुलिस को दी। मेजा थाने के दरोगा संजय कुमार, कांस्टेबल अरविंद चौबे, धीरज, मनीष सहित पुलिस टीम ने सीसीटीवी की मदद से उक्त लोगों को गिरफ्तार कर 70 हजार रुपए बरामद किया। रुपए फौजी को वापस लौटाए गए जिससे फौजी के चेहरे पर खुशी दिखाई दिया।

हिमांशु तिवारी बने भारतीय सवर्ण संघ के जिला अध्यक्ष

अध्यक्ष बनाए जाने पर वाराणसी और प्रयागराज में हुआ जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

करछना। भारतीय सवर्ण संघ की हुई एक बैठक में यह सर्वसम्मति से निणय्य लिया गया कि प्रयागराज के जिला अध्यक्ष यमुनापार के रूप में हिमांशु तिवारी को नियुक्त किया गया। हिमांशु तिवारी ने भारतीय सवर्ण संघ को धन्यवाद किया और कहा कि संघ के नियमों का निर्वहन करते हुए जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।

और अध्यक्ष बनाए जाने के बाद हिमांशु तिवारी का मिर्जापुर में जोरदार स्वागत हुआ और जब प्रयागराज पहुंचे तो वहां भी उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया और संघ के सदस्यों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है।

सड़क दुर्घटना में तीन जख्मी

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के अरीवा कंपनी गेट के समीप गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन लोग जख्मी हो गए। जानकारी के मुताबिक बालापुर के रहने वाले रमेश कुमार (19) पुत्र गेंदालाल गुरुवार शाम को अपनी भाभी ममता देवी पतने अजय कुमार व अपने भतीजे यू (एक) वर्ष को काजीपुर नैनी स्थित रिश्तेदार के यहां से अपने मूल निवास घर की ओर बाइक द्वारा लौट रहे थे। जैसे ही वह अरीवा कंपनी गेट के समीप पहुंचे, पीछे से आ रही एक चार पहिया वाहन ने बाइक में साइड से टक्कर मार दी। जिससे तीनों सड़क पर गिर गए और घायल हो गए।

आजादी के आंदोलन में अपनी कुर्बानी देने वाले विश्वविद्यायालय के छात्र शहीद लाल की शहादत दिवस मनाया गया

अखंड भारत संदेश

करछना। 12 अगस्त को शहीद लाल पद्मधर के शहादत दिवस पर सर्वप्रथम छात्र संघ स्तिथ मूर्ति पर माल्यार्पण करके गोष्ठी का आयोजन किया गया और उनकी कुर्बानी को छात्रों को बताया गया। इस दौरान पूर्व छात्र नेता कांग्रेस के उत्तर प्रदेश सचिव व प्रयागराज प्रभारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 12 अगस्त को महात्मा गांधी जी द्वारा छेड़े भारत छोडो आन्दोलन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों कि अगुवाई करते आगे बढ़ रहे और अंग्रेजो से आजादी के लिए लोहा ले रहे एक नौजवान लाल पद्मधर को अंग्रेजो ने भरी सडक पर गोली मार दी और पद्मधर ने इन्कलाब के नारो भारत माता की जय के उद्घोष करते देश के लिए कुर्बानी दे दिया।एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष व विश्वविद्यालय छात्रसंघ उपाध्यक्ष अखिलेश यादव ने बताया कि शहीद लाल पद्मधर के वरासत को हम लोग छात्रों में हमेशा जीवंत रखेंगे और छात्र हित की लड़ाई लड़ते रहेंगे। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने कहा कि देश के लिए कुर्बानी देने वाले धरोहर की आज न विश्वविद्यालय प्रशासन न ही जिला प्रशासन ने शहादत दिवस मनाया यह शर्मसार व निंदनीय है,हम एनएसयूआई के लोगो ने सफाई किया और माल्यार्पण किया जबकि प्राथमिकता प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। इस दौरान- प्रभारी राघवेंद्र प्रताप सिंह,प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव, पूर्व महामंत्री छात्र संघ प्रदीप मिश्रा अंशुमन, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर, इकाई अध्यक्ष हरिओम सिंह, विनय दुबे, महेश त्रिपाठी, जितेश मिश्रा, सूरज शुक्ला, शशांक शर्मा, पृथ्वी प्रकाश, अजय पांडेय, रजनीश तिवारी, हरिकेश हैरी, कमलेश सोनकर, धनञ्जय कुशवाहा, सत्यम कुशवाहा, सुरेंद्र सोनकर, आदि शामिल रहे।

ग्राम सभा के भूमिहीनों को दिए जाएंगे पट्टे : शहजादे प्रधान

ग्राम समाज की जमीनों के कब्जा करने वालों की खैर नहीं, राजस्व लेखपाल,पुलिस बल की टीमें अवैध कब्जे कराएगी खाली ,और होगी कानूनी कार्यवाही

कोटेदार अल्हवा द्वारा ग्राम समाज की जमीन पर 15 साल से किया अवैध कब्जा,लगाया धान की खेती, एस डी एम ने लेखपाल को ट्रैक्टर से फसल को पलटने के दिए आदेश,विलेज हाट की प्रस्तावित भूमि पर अनाधिकृत कब्जा, एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

पसना/प्रयागराज। ग्राम सभा अल्हवा कोरांव की तकरीबन ग्राम समाज की पच्छास बीघा व इतनी ही सरकारी नदी नाले की जमीनों पर काफी समय से अपात्र सरहंग बड़े कास्तकार लोगों का अनाधिकृत कब्जा है। इस बाबत नव निर्वाचित ग्राम प्रधान अल्हवा शहजादे पत्रकार व सोशल एक्टिविस्ट ने सरहंग लोगों के विरुद्ध सासन स्तर पर लिखित सिकायत्त करके सभी जमीनें कब्जामुक्त कराने की कार्यवाही शुरू की है। इस बाबत प्रधान शहजादे ने मुख्मंत्री व जिलाधिकारी तथा उपजिलाधिकारी कोरांव से लिखित शिकायतें की और भूमि प्रबन्धक समिति की खुली बैठक कर सारी जमीनों को खाली कराने का प्रस्ताव भी पारित कराया। जिससे गरीब भूमिहीनों को कृषि व आवासीय आवंटन समाज की मुख्य धारा से जोडा जा सके। प्रधान ने बताया मेरे ग्राम सभा में,, हक वाले तरसे बे वाले बरसें,,की कहावत चरितार्थ किए थे। जिसे जिसका हक है उसे दिए जाने की कार्यवाही शुरू की है।

ग्राम प्रधान ने बताया कि कानूनगो,लेखपाल ने टीम गठित की है। अवैध कब्जा करने वालों को कुछ लोगों को चिन्हित कर

लिया गया है। जिन्हे पुलिस बल के साथ ग्राम समाज की जमीनें खाली कराई जाएगी। और जो उल्लंघन करेंगे उनके खिलाफ एंटी भू माफिया अधिनियम के तहत कार्यवाहीं की जाएगी। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तावित विलेज हाट निर्माण के लिए प्रस्तावित भूखंड संख्या 1155 जो मुख्य मार्ग पर है और अल्हवा महुली की सीमा तक बचत के प्लाट है,उन पर एक काश्तकार द्वारा निर्माण कर अनाधिकृत कब्जा कर लिया है। लेखपाल द्वारा पैमाईश के दौरान बदतमीजी किए जाने पर उप जिलाधिकारी कोरांव ने लेखपाल की रिपोर्ट पर प्राथमिकी थाना कोरांव में दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अल्हवा के कोटेदार द्वारा नाला ग्राम समाज की जमीन कई साल से अवैध कब्जा कर खेती का लाभ उठाता रहा। जिसकी जांच लेखपाल प्रधान ने किया। चेतावनी दिए जाने के बावजूद भी जबरन धान कि रोपाई कर दिया और दो तीन लोगों को अपना साथी बनाते हुए कई बीघा जमीन कब्जा कराकर फसल लगवा दिया। जिसकी शिकायत लेखपाल अतुल तिवारी ने उप जिलाधिकारी से की। उन्होंने लेखपाल को ट्रैक्टर के जरिए कब्जे की गई जमीन में बोई फसल को पलटवाने का निर्देश दे दिया। चूंकि लेखपाल की ड्यूटी बाढ इलाके प्रयागराज में थी जिस कारण सरकारी ज़मीनों के कब्जा कर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो सकी थी। हलका लेखपाल अतुल कुमार तिवारी ने बताया कि सरकार और प्रसासन की मनशानुसार भूमिहीनों को कब्जा मुक्त कराकर पात्रों को आवंटित किया जाएगा। इस निमित्त भूमि प्रबन्धक समिति की बैठक में निणय्य लिया है चुका है। उन्होंने बताया पुलिस बल के साथ सार्वजनिक जमीनें खाली कराई जाएंगी।

महंगांव चौकी के निकट मिली अज्ञात युवक की लाश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कौशाम्बी जनपद में अज्ञात लाशों का मिलने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज दिनांक 12 अगस्त को चरवा थाना क्षेत्र के महंगांव चौकी से लगभग पांच सौ मीटर की दूरी पर हाइवे से कुछ कदम की दूरी पर खेत में एक अज्ञात युवक की ताजी लाश पड़ी हुई मिली है। कड़ी मशक्कत के बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अज्ञात युवक की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और इसकी चर्चा चाहूं ओर होने लगी। अज्ञात युवक की लाश मिलने पर कौशाम्बी पुलिस

लाश मिलने के एक घंटे बाद पहुंची पुलिस क्षेत्र में बना चर्चा का विषय

अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी चायल को सूचना देने के बाद घटनास्थल पर क्षेत्राधिकारी चायल शयामकांत सहित स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लिखा - पढ़ी कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात हत्यारों की खोज में स्थानीय पुलिस लग गई है। अब देखना यह है कि चरवा पुलिस कितने दिनों के बाद अज्ञात हत्यारों का खुलासा कर पाती है। युवक के दोनों हांथ पीछे की ओर घूमाकर एक कपड़े से बांधा हुआ था और गले में एक सफेद रुमाल कसा हुआ था जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि हत्यारों ने कहीं और युवक का कपड़े से गला घोट कर हत्या की और मौका मिलते ही महंगांव चौकी के निकट लाश फेककर फरार हो गए। महंगांव चौकी क्षेत्र में लाश मिलने पर एक घंटे के बाद घटनास्थल पर पहुंची स्थानीय पुलिस पर लोगों ने सवालिया निशान लगाना शुरू कर दिया आखिर पांच सौ मीटर की दूरी पर तैनात चौकी का औचित्य ही क्या रह गया जब घटना की जानकारी होने के घंटों बाद पहुंचे पुलिस।

ग्रामीणों की शिकायत पर रत्योरा में एडीपीआरो की जांच, मिली खामियां

ग्रामीणों ने पूर्व प्रधान पर बिना कार्य कराए ही धन गबन करने की किया था शिकायत

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। विकासखंड कोरांव के रत्योरा करपिया ग्राम पंचायत में पूर्व प्रधान पर ग्रामीणों ने बिना विकास कार्य कराए ही धन गबन करने की शिकायत जिले के अधिकारियों से की थी। जिस पर एडीपीआरओ ने गुरुवार को गांव में पहुंचकर ग्रामीणों के समक्ष बिंदुवार की गई शिकायतों का की जांच किया। जिसमें शिकायत के सापेक्ष कार्य में अनियमितता पाई गई। और एडीपीआरओ ने अपनी जांच रिपोर्ट खंड विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को सौंपी है। ग्रामीणों ने महरानी चौरा से ब्रह्मा शंकर के घर तक व पक्की सड़क से संजय के घर तक समेत कई अन्य इंटरलॉकिंग सड़कों के निर्माण कार्य के नाम पर धनराशि आहरित कर लेने की शिकायत की थी। जहां जांच अधिकारी ने मामले की जांच करते हुए स्थलीय सत्यापन किया तो शिकायत सही पाई गयी। जांच अधिकारी ने पूर्व ग्राम प्रधान रामरती पर कार्यवाही के लिए खंड विकास अधिकारी को अपनी जांच आख्या सौंपी है। जांच अधिकारी एडीपीआरओ प्रयागराज ने सामुदायिक शौचालय का भी निरीक्षण किया। जहां मानक के अनुरूप कार्य न कराए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। सामुदायिक शौचालय की छत टपक रही थी। दीवारों में दरारें आ गई थी। जबकि निर्माण कार्य इसी वर्ष कराया गया था। पूर्व प्रधान द्वारा इसी प्रकार कई अन्य विकास कार्यों में भी व्यापक अनियमितता की गई है। जिससे जांच अधिकारी खफा है। जांच अधिकारी ने बिना निर्माण कार्य कराए ही धन गबन करने के आरोप में ग्राम प्रधान पर कार्रवाई की संस्तुति की है। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी इन्द्रबहादुर सिंह वर्तमान ग्राम प्रधान शशिकांत कुशवाहा समेत दर्जनभर ग्रामीण मौजूद रहे।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई सपम्न

प्रयागराज। मंडलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में आज कार्यालय स्थित गांधी सभागार में मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपनन हुई जिसमें सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत कुछ महत्वपूर्ण निणन्य लिए गए। सड़कों पर हो रही दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने दुर्घटना संभावित सभी ब्लैक स्पॉट्स को जल्द से जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए। मंडल के लगभग 82 चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर यातायात नियमों, संकेतों एवं डायवर्सन के बोर्ड लगवाने तथा डिवाइडर पर पेंटिंग, रिफ्लेक्टिव बोर्ड आदि के शेष कार्यों को तीन हफ्ते के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए उसकी आख्या अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा। मंडलायुक्त ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने तथा घायल एवं मृत व्यक्तियों की सहायता हेतु वर्तमान योजनाओं पर चर्चा करते हुए पिछले 1 वर्ष में ओवरस्पीडिंग की वजह से किए गए चालानों की जानकारी ली तथा सड़क दुर्घटनाओं की दशा में आपात सहायता व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु एनएचएआई हेल्पलाइन 1033 को पुलिस हेल्पलाइन 112 से जोड़ने पर विचार करने को भी कहा।

ग्राम प्रधान ने रोड पर पशुओं को बांध कर किया अतिक्रमण

ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार रोड पर चलने वाले राहगीरों के कपड़े हों जातें हैं रंगीन

अखंड भारत संदेश

लेडियारी, प्रयागराज। क्षेत्र के कोरांव तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत नीबी के बर्तमान ग्राम प्रधान के डील अतरी मार्ग पर भैंस एवं गाय रोड के किनारे दोनो तरफ पटरियों पर बांधने से राहगीरों को दिक्कत का सामना उठाना पड़ रहा है। राहगीरों ने रोड पर कई बार ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को बुला कर जानवरों को रास्ते से बाहर बांधने की बात कर चुके हैं। लेकिन आज तक बर्तमान ग्राम प्रधान राहगीरों के बातों को नजर अंदाज करतें चले आ रहे हैं प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि हमारे पास अभी समय नहीं है रोज -रोज खन्ड विकास अधिकारी कोरांव ब्लाक आने के लिए प्रेरित करते रहते इस लिए में अपने पशुओं के ठहराने का इन्तजाम नही कर पा रहा हूं। ग्रामीणों में यह चर्चा हर चौराहों पर कर रहे हैं प्रधान होने पर इनको अपने पशुओं को रोड पर नहीं बाधना चाहिए इन्हीं के कमी के कारण पुरे गांव में गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है।

मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने बाढ़ में फंसे हुए लोगो को राहत सामाग्री किया वितरित

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों दारांगज, सलोरी, छोटा बघाड़ा, शिवकुटी का नांव द्वारा भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। जो लोग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे है, उन्हें राहत सामाग्री सहित पीने के पानी भी किया। प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है, प्रशासन द्वारा जो लोग बाढ़ क्षेत्र से प्रभावित है, उन्हें खाना, पीने के पानी, फल-फूल, दूध, दवा इत्यादि आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध कराया जा रहा है। साफ-सफाई आदि के लिए अलग से टीमे लगायी गयी है, जो निरंतर सफाई का कार्य कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जो लोग बाढ़ राहत केन्द्रों में आना चाहते है, उन्हें राहत केन्द्रों पर लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहत सामाग्री के साथ-साथ दवाओं का भी वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर पैनी नजर रखा हुआ है तथा बाढ़ प्रभावित गांव में मजिस्टेट्रट सहित डॉक्टरों की टीम की भी तैनाती की गयी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कैम्प लगाये जाने का भी निर्देश दिया गया है, जिससे कि बाढ़ का पानी घटने पर उत्पनन होने वाली बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सके।

चार दिन से हजारों परिजनों को दो बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है

जल निगम के लापरवाह अफसरों का नतीजा भुगत रहे हैं हजारों परिजन

अखंड भारत संदेश

नैनी। कहने को तो औद्योगिक क्षेत्र स्थित संडवा कला गांव नगर निगम के दायरे में शामिल हो चुका है, लेकिन नवनियुक्त शामिल नगर निगम में गांव के लोगों को चार दिनों से पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। जल निगम से जुड़े आला अफसरों के बेरुखी से परेशान होकर ग्रामीणों ने उन अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिए हैं। आखिर करें भी तो क्या करें, जिन परिजनों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है और केंद्र व राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार हो और ऐसे में उनके ही संबंधित विभाग जल निगम से जुड़े लापरवाह अधिकारियों की फौज हो और लोगों को दो बूंद पानी के लिए बीते चार दिनों से तरसना पड़ रहा है। संबंधित अधिकारियों का सीधा कहना है कि सरकार के द्वारा समस्त कार्यों को ठेके पर दे दिया गया है। जिससे खराब हुए उपकरण को ठेकेदार ही बदलेंगे, तब कहीं जाकर लोगों को दो बूंद पानी नसीब हो पाएगा।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित स?डवा गांव की आबादी लगभग 10,000 के आसपास होगी। इस गांव में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े बीते कई वर्ष पूर्व तत्कालीन विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व राज्यपाल पश्चिम बंगाल पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी के कोटे से नलकूप की स्थापना की गई थी। उसी नलकूप के द्वारा हजारों परिजनों को पानी नसीब हो रहा था। बीते चार दिन पूर्व अचानक नलकूप से जुड़े मोटर जल गया। इसकी जानकारी जल निगम के अधिकारी अवर अभियंता, अधिशासी अभियंता व अधीक्षण अभियंता समेत क्षेत्रीय विधायक समाजवादी पार्टी से जुड़े उज्जवल रमण सिंह व कई अन्य जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी जले हुए मोटर को कोई भी बदलवा नहीं पाया। नतीजा संडवा कला गांव से संबंधित कई मजरो के अंतर्गत हजारों परिजनों को दो बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। लोगों को तड़के सुबह उठकर दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों व आसपास के सरकारी परिसरों में जाकर पानी लाने के लिए विवश हैं। फिर भी जल निगम से जुड़े अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शुक्रवार तक यदि जले हुए मोटर को सही कर सुचारू रूप से पानी लोगों को नहीं मुहैया कराया गया तो लोग सड़क से लेकर संबंधित जल निगम के कार्यालय तक धरना प्रदर्शन करने के लिए विवश हो जाएंगे। जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों की होगी।

खतरा, नदी नालों के भौगोलिक बनावटों से खिलवाड़

करार घाटों,के समतलीकरण से गांवों में घुसेगा बाढ का पानी,हजारों गांवों के घर गृहस्थी बाढ के रडार पर

शहजादे

1994 के प्रलयकारी बाढ से हुई तबाही से सबक नहीं लिए ग्रामीण किसान और सरकार

नदी,नालों के राजस्व रिकॉर्डों नक्शों के विपरीत अतिक्रमित भू खंडों को ध्वस्त कर खतरों को दिया गया निमंत्रण

कोरांव/प्रयागराज। कुदरत के निजाम से खिलवाड़ भौगोलिक बनावटों की नवैयते बदलने नदियों नालों के करारों,घाटों को स्वार्थ बस समतलीकरण किए जा रहे अधाधुंध कार्य अब जन जीवन के लिए किसी भी वक्त हानिकारक हृदय विदारक हो सकता है। क्योंकि छोटी या बड़ी नदियों,नालों के बार्डर यानी करारों को किसान दिन प्रतिदिन उत्खनन कराकर समतलीकरण कर दे रहे हैं,जिससे किसी भी समय बांधो के ओवर पानी को छोड़ते समय या निरन्तर कई दिनों तक बरसात के कारण तेज बाढ से उफनाई नदियां सीधे गांव बस्तियों की तरफ मुंह मोड सकती है जिससे प्रलयकारी बाढ से भारी तबाही का सामना जनता को करना पड़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि यमुनापार के बेलन टंडियारी नदी,सेवती नदी,टोंस,के किनारे बड़े बड़े करार ऊंचे ऊंचे तक प्राकृतिक बनावटों से सुशोभित थे,जिन्हे स्वार्थी इंसान उक्त बनावटों को नेस्त नाबूद कर दे रहे हैं। जिससे नदियों आदि का ओवर फ्लो जल करारों के भसका दिए जाने समतल कर देने से गांवों की तरफ पानी की धार घूम जाने से किसी भी समय भयंकर तबाही हो सकती है। जिससे कई मुख्य मार्ग और गांव नस्ट हो सकते हैं। वर्ष 1994 में आई प्रलयकारी बाढ जिस समय मिर्जापुर के बनधे भर चुके थे और खतरे में थे उस समय पानी डैम से छोड़ दिए गए तो नदियों के सारे गांव बह गए थे और भारी तबाही मची थी।कोरांव देव घाट मुख्य मार्ग पचौहे खजुरी के निकट इस तरह कट गई थी कि जैसे कूप खुदाई गई हो, किन्तु उक्त समय करारों को नस्ट नहीं किया गया था। वर्तमान समय में तो जबरजस्त नदियों के घाटों को खन खोद कर फसल उगाने के चक्कर में भोगोलिक सुंदरता बनावटों को कुरूपित कर दे रहे हैं। जिसके खतरा उत्पन्न हो गया है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

विभिन्न विषयों के 18 प्रवक्ता एवं 260 प्रशिक्षित सनतक श्रेणी के चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र का किया गया वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन रोजगार अभियान में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों हेतु 2846 नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों का ऑनलाइन पदस्थापन एवं नियुक्ति पत्र वितरण का मुख्य कार्यक्रम लोक भवन स्थित आडीटोरियम में मुख्यमंत्री जी के कर-कमलों द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण के साथ सम्पनन हुआ, जिसके अन्तर्गत जनपद प्रयागराज में विभिनन विषयों के 18 प्रवक्ता एवं 260 प्रशिक्षित सनतक श्रेणी के शिक्षक चयनित हुए थे, जिन्हें मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के एम0पी0 हॉल में नियुक्ति पत्र का वितरण विधायकगण श्री विक्रमाजीत मौर्य, श्री जमुना प्रसाद सरोज एवं श्री हर्षवर्धन वाजपेयी जी सहित मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय, सह जिला विद्यालय निरीक्षक द्वय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर लोक भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों द्वारा पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की सराहना की गयी। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री आर0एस0 विश्वकर्मा द्वारा सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक श्री आर0एन0 विश्वकर्मा ने दी है।

गलत कार्य करने वाले ठीकेदारों को ब्लैकलिस्ट करें : सिद्धार्थ नाथ

बाढ़ ग्रस्त प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जनता की समस्याओं से हुए रूबरू

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जनता की समस्याओं को निराकरण कराने के लिए प्रतिबद्ध हूँ और सेवक के रूप में काम कर रहा हूँ यह बातें कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने विष्णुपुरी कॉलोनी पोगहट पुल, मुंडेरा मंडी तालाब निरीक्षण एवं मीरापट्टी में बाढ़ ग्रस्त प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के दौरान कहीं।विष्णुपुरी कालोनी में रहने वाली विमला देवी ने दुखड़ा रोते हुए बताया कि तीन दिन से भारी बारिश में पोगहट नाला और सीवर दोनों जाम हो जाने के कारण घरों में गंदा पानी भर गया था,आपके पास फोन करने के बाद अधिकारियों की नींद खुली और पानी निकालने एवं राहत सामग्री देने का कार्य किया था। कई वर्षों से सड़क व नाली न बनने से समस्या बढ़ गयी और साथ ही नालों के ऊपर कई लोगों ने मकान बना लिए है,मकान बनवाते समय नालियां पाट दी गयी।जिससे समस्या विकराल रूप ले लिया था।साहब अब हमार निराकरण करावें, बड़ी मेहरबानी होई।स्थानीय नागरिकों ने जलभराव से अपनी पीड़ा और दुख का दुखड़ा रोया। तदुपरांत मुंडेरा मंडी तालाब का निरीक्षण करने पहुँचे तो जानकारी मिली कि मंडी के ठीकेदार तालाब में मंडी का कचरा फेंक रहे है। किसी ने कहा कि ठीकेदार नजदीकी है तो मंत्री भड़क गए बोले कि चाहे मंडी हो या पीडब्लूडी और किसी भी विभाग के ठीकेदार से मेरा कोई नाता नहीं है तत्काल ठीकेदार को ब्लैकलिस्ट करें।सरकार के द्वारा किसी भी तरह के निर्माण में हीलाहवाली या गुणवत्ता विहीन कार्य हो तुरंत ब्लैकलिस्ट होना चाहिए। मंडी तालाब का सौंदर्यीकरण और सफाई का आगणन बनाकर भेजें।जनहित कायी के लिए सरकार तत्काल निराकरण करने के लिए तत्पर है।मीरापट्टी में जलभराव को देखा तो डूडा विभाग ने बताया कि दूसरी क़िस्त न आने की वजह से कार्य अधूरा होने की वजह से समस्या निराकरण नहीं हो पाया है। जिसपर निर्देश दिया कि तत्काल जहाँ भी जलभराव हो, समस्याएं दिखाई दे उसका निराकरण तुरंत होना चाहिए।मीरापट्टी हरवारा में पहले से ही जलभराव व पानी निकासी की बड़ी समस्या थी।जो 50 प्रतिशत काम हुआ है शेष काम जल्द ही समाधान होगा। नागरिकों की समस्याओं व कठिनाइयों को देखकर सरकार कठिनाइयों का निराकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है।मैं सेवक के रूप बाढ़ पीड़ितों के बीच काम कर रहा हूँ।श्री सिंह ने कहा गंगा और यमुना का पानी बढ़ने के कारण शहर में जलभराव की समस्या बढ़ी है।उसके लिए सरकार ने नाव की व्यवस्थाएं किया है,नागरिकों को सुरक्षित राहत शिविर में व्यवस्थित किया जा रहा है,राहत सामग्री अनाज आदि भी दिया जा रहा है।डॉक्टरों की टीम लगकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई है। स्थायी निदान के लिए नागरिक की दिक्कतें और समाधान पर चर्चा हुई है।निरीक्षण करके लौट रहे मंत्री का युवा महिला देवयानी गुप्ता ने गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया और कहा पहली बार कोई मंत्री बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में पहुँचा,फोन से सूचना देने पर तत्काल अधिकारियों को भेजकर समस्या का समाधान कराया है।

जिले में नवचयनित आठ प्रवक्ताओं एवं 135 सहायक अध्यापकों को दिया गया नियुक्ति पत्र

अफीम कोठी सभागार में हुआ कार्यक्रम

प्रतापगढ़। मुख्यमत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ में नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया जिसका सजीव प्रसारण आज क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में विधायक विश्वनाथगंज डा0 आर0के0 वर्मा, विधायक रानीगंज धीरज ओझा, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, मंत्री मोती सिंह के प्रतिनिधि विनोद पाण्डेय, मंत्री महेन्द्र सिंह के प्रतिनिधि दिनेश शर्मा, विधायक सदर के प्रतिनिधि अशोक पाल, अफीम कोठी के प्राचार्य शिव प्रकाश, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द सिंह साहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों एवं नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों द्वारा देखा गया।

इसी क्रम में जनपद के नवचयनित 08 प्रवक्ताओं एवं 135 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र का वितरण विधायक, जिलाधिकारी व अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान के सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह कार्यक्रम के दौरान विधायक डा0 आर0के0 वर्मा ने नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को बधाई देते हुये कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाकर योग्य लोगों को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्ति प्रदान की गयी है। इस दौरान विधायक धीरज ओझा ने नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि नवनियुक्त सभी शिक्षकों का यह दायित्व है कि वे अपनी क्षमता का उपयोग छात्र-छात्राओं को शिक्षित करने में लगाएं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने सभी नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को बधाई देते हुये कहा कि विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन निरन्तर परिश्रम कर व्यापक स्तर पर सुधार लाएं। कार्यक्रम का संचालन मो0 अनीस द्वारा किया गया।

अष्टभुजा इंटर कालेज में लगे नेत्र शिविर में 167 रोगियों का हुआ परीक्षण

आपरेशन के लिये 42 लोगों को भेजा गया चित्रकूट

प्रतापगढ़। एक ट्रस्ट के तत्वावधान में अष्टभुजा इंटर कॉलेज जेठवारा में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 167 रोगियों का परीक्षण किया गया और 42 को आपरेशन हेतु भेजा गया। शुभारंभ एस0ओ0जेठवारा ने किया। इस दौरान उन्होंने अपने विभाग के लोगों का भी नेत्र परीक्षण कराया। प्रधानाचार्य लालता प्रसाद पाण्डेय के संयोजन में आयोजित इस नेत्र शिविर में डॉ0 शिवाकांत त्रिपाठी एवं डॉ0 पंकज गुप्ता ने रोगियों का नेत्र परीक्षण किया। कुल 167 रोगियों का मुफ्त नेत्र परीक्षण किया गया। 42 रोगियों को ऑपरेशन हेतु चिह्नित करके उन्हें बस द्वारा चित्रकूट भेजा गया जहाँ उनका मुक्त ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए संयोजक लालता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि इस शिविर का आयोजन करके क्षेत्र के लोगों के नेत्रों की जाँच करवाना एवं उनका ऑपरेशन करवाना एक पुनीत कार्य है। इससे उन्हें क्षेत्र के लोगों की सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। साथ ही कमजोर एवं गरीबों का मुफ्त इलाज एवं ऑपरेशन करवाने में उन्हें सफलता मिल रही है। शिविर के व्यवस्थापक अनंत सिंह तोमर ने भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की बात कही। इस अवसर पर शिव बहादुर सिंह तोमर, राम सिंह प्रधान, राजेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

विधायक ने पीआरडी जवान को दी 21 हजार की मदद

प्रतापगढ़। बदमाशों की गोली से घायल होकर जिंदगी से जंग लड़ रहे पीआरडी जवान की मदद के लिये रानीगंज विधायक धीरज ओझा आगे आए हैं। उन्होंने परिवार की आर्थिक दशा कमजोर होने के चलते उसके उपचार में आ रही परेशानी के लिये मदद की पहल की है। उन्होंने पीड़ित परिवार को इलाज के लिये 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी है। बता दें कि 22 जुलाई को दिलीपपुर में पिकेट की ड्यूटी के दौरान बदमाशों की गोली से पीआरडी जवान पवन तिवारी घायल हुए थे। उनके उपचार में पैसे की परेशानी आ रही थी।

भयहरणनाथ धाम में नागपंचमी पर नही होगा घुघुरी लोक उत्सव

सांकेतिक पूजन होगा, घुघुरी का चढ़ेगा प्रसाद

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में इस वर्ष कोरोना के चलते नागपंचमी पर होने वाला घुघुरी लोक उत्सव आयोजित नही होगा। कोविड-19 के नियमों के अनुपालन में इस परम्परागत लोक उत्सव का आयोजन प्रबन्ध समिति ने स्थगित कर दिया है।

धाम के महासचिव समाज शेखर के संयोजन में गत 2010 से नागपंचमी को घुघुरी लोक उत्सव आयोजित होता रहा है, जो धीरे धीरे नवीन परम्परा का स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। इस अवसर पर जहां क्षेत्रीय बच्चों और युवाओं को मंच दिया जाता रहा है, वहीं नामी कलाकारों के माध्यम से उत्सव को बड़ा स्वरूप मिलता रहा है। आल्हा, लोक गीत, कजरी आदि का गायन को भी बढ़ावा दिया जाता रहा है। साथ ही दो किमी की तेज दौड़ प्रतियोगिता में प्रयागराज व प्रतापगढ़ के समीपवर्ती सात विकास खंडों के धावक भाग लेते रहे हैं। महासचिव समाज शेखर ने बताया कि कोविड के नियमों को प्रशासन व स्थानीय समाज से राय लेकर प्रबन्ध समिति ने प्राथमिकता पर लेते हुए व्यापक जनहित में उक्त उत्सव को स्थगित कर दिया है। साथ ही प्राचीन परंपरा के दृष्टिगत भगवान भोलेनाथ को सांकेतिक रूप से पूजन किया जाएगा और घुघुरी प्रसाद रूप में चढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर किसी भी प्रकार का कोई आयोजन नही किया जाएगा।

जयराम बने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष

प्रतापगढ़। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष जयराम बनवासी बनाये गये। जयराम बनवासी कोहड़ौर इलाके के मुसई का पुरवा गांव के रहने वाले हैं। पार्टी के प्रति निष्ठावान जयराम बनवासी के भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा का जिलाध्यक्ष घोषित होने से समर्थकों में खुशी की लहर है। बता दें कि भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय गौड़ ने जिलाध्यक्षों की जारी की सूची की थी जिसमें जयराम बनवासी को भी जिलाध्यक्ष बनाया गया। इस पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरि ओम मिश्र सहित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी व नेताओं ने जय राम बनवासी को मनोनयन पर बधाई दी है।

पूर्व बीडीसी पर हमले के आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने पूर्व बीडीसी पर जानलेवा हमले को लेकर आरोपियो पर शिकंजा कसा है। पुलिस ने गोली मारकर पूर्व बीडीसी की हत्या के प्रयास को लेकर कई गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। भागीपुर कमौरा गांव के रवीन्द्र सरोज पुत्र मिठ्ठूलाल ने दी गई तहरीर मे आरोप लगाया है कि बीती दस अगस्त को सुबह साढे दस बजे तेजगढ़ के मान सिंह के ललकारने पर आरोपी फैयाज व आसिफ निवासी पूरे पाण्डेय कमौरा तथा मुर्तजा ने चुटहिल पर जानलेवा फायरिंग कर उसे लहूलुहान कर दिया। फायरिंग की घटना से इलाके मे दहशत फैल गई। जबकि आरोपी सुरेंद्र सिंह ने गांव के रामआसरे व रामअंजोर की साजिश पर घटना को लेकर आपराधिक षडयंत्र किया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी मुर्तजा समेत सात आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओ मे बुधवार की रात केस दर्ज किया है।

फिल्म कलाकार सज्जन सिंह के अस्थि कलश पर विधायक व नेताओं ने चढ़ाए पुष्प

प्रयागराज में गंगा में प्रवाहित हुई अस्थियां

प्रतापगढ़। सिनेमा कलाकार अनुपम श्याम ओझा जो फिल्म जगत में सज्जन सिंह के नाम से जाने जाते थे, उनकी अस्थियां आज गुरुवार को प्रयागराज में गंगा में विसर्जित कर दी गई। इसके पहले बुधवार की शाम मुम्बई से अनुपम श्याम के छोटे भाई आलोक श्याम ओझा (कंचन) व अनुराग श्याम ओझा (रतन) अस्थि कलश लेकर टेड्डन से प्रतापगढ़ पहुंचे।

गुरुवार की प्रातः अनुपम श्याम का अस्थि कलश स्टेशन रोड स्थित उनके आवास पर रखा गया था जहां विधायक विनोद सरोज, पूर्व विधायक बृजेश सौरभ, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी, सपा के जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डा0 केएन ओझा, जनसत्ता दल के जिलाध्यक्ष रामअचल वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पति सुरजीत पटेल, जूनियर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री जेपी मिश्र, एमएलसी गोपाल जी के मीडिया प्रभारी मुक्कू ओझा, धर्माचार्य ओम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व सभासद संतोष दुबे तथा अनुपम श्याम के तीसरे भाई कुंदन सहित सैकड़ों लोगों ने अस्थि कलश पर पुष्प चढ़ाए। बता दें कि चार दिन पहले मुम्बई में अनुपम श्याम का देहान्त हो गया था। उनकी अन्त्येष्टि भी वहीं कर दी गई थी। उनका अस्थि कलश बुधवार की शाम साढे सात बजे टेड्डन द्वारा प्रतापगढ़ लाया गया। गुरुवार को दिन में लगभग बारह बजे अनुपम श्याम का अस्थि कलश प्रयागराज ले जाया गया, जहां कलश को गंगा में विसर्जित किया गया।

भारी बारिश के कारण घर पर गिरा नीम का पेड़, मकान क्षतिग्रस्त

सई नदी का पानी अभी खतरे के निशान से नीचे, प्रशासन सतर्क

प्रतापगढ़। गुरुवार को भी दोपहर तक वर्षा का क्रम जारी रहा। दोपहर बाद पानी रुका है, तब लोग बाहर निकल पाए हैं। वर्षा रात से ही हो रही थी। सुबह उठने पर पानी का क्रम जारी रहा। जिला अस्पताल में जलभराव का संकट दूसरे दिन भी बना रहा। शहर में संजय मार्केट में पानी रुकने की शिकायत पर वहां नगर पालिका के कर्मचारी पहुंचे और साफ-सफाई कर पानी का बहाव किया।

लगातार बारिश से पेड़ और कच्चे घर गिर रहे हैं। प्रशासन की नजर सई नदी के बढ़ते जलस्तर पर है। फिलहाल ऐसी कोई समस्या अभी नहीं आई है। पानी का जलस्तर बेल्हा देवी मंदिर की सीढ़ियों के नीचे ही है। गुरुवार को दोपहर तक 26 मिली मीटर वर्षा हुई है। दोपहर के बाद पानी रुकने से कल से अधिकतम तापमान कुछ बढ़ा है। आज न्यूनतम तापमान 24.5 व अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। नगर कोतवाली क्षेत्र के जेल चौकी अंतर्गत महुआर गांव में भारी बारिश होने के कारण नीम का पेड़ गिरने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित मकान मालकिन अरवन देवी पतने काली प्रसाद मिश्र को पहले से भी अनहोनी की शंका हो चुकी थी कि किसी ना किसी दिन पेड़ गिर जाएगा और बड़ी दुर्घटना घट सकती है। इस संबंध में पीड़िता ने जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को कुछ दिन पूर्व प्रार्थना पत्र दिया था। नीम का पेड़ घर पर गिर जाने से मकान में काफी नुकसान हो गया है। ऐसे में गिरे हुए पेड़ को कोई हटाने को तैयार नहीं है। पीड़िता ने उच्चाधिकारियों से शिकायत कर उचित कार्यवाही करते हुए मुआवजा और गिरे हुए पेड़ को हटाने की मांग की है।

विधायक डा0 वर्मा के बयान पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ने जताया विरोध

प्रतापगढ़। जिले में इन दिनों सुखिर्यां बटोरने के लिए नेता से लेकर धर्म जाति आधारित संगठन बेलगाम बयानबाजी करने से बाज नहीं आ रहे है। भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से अपना दल के विश्वनाथगंज विधायक डॉ आर के वर्मा को सर्वसमाज के लोगो ने अपने मत से विधानसभा पहुंचाया लेकिन इन दिनों उनकी बयानबाजी से तो यही लगता है कि डॉ आर के वर्मा जनता के नहीं बल्कि जाति विशेष के ही विधायक बनकर कार्य कर रहे हैं। इसका विरोध राष्ट्रीय परशुराम सेना ने जताया है। उन्होंने कहा कि अगर विधायक माफी नहीं मांगे तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। परशुराम सेना संगठन ने ने भाजपा अपना दल के शीर्ष नेतृत्व से यह मांग करती है कि जाति पांति का जहर घोलकर समाज में भेदभाव व दूरी बनाने वाले विधायक डॉ आरके वर्मा पर वैधानिक कार्यवाही कराते हुए तत्काल प्रभाव से पार्टी और विधानसभा सदस्य पद से बर्खास्त किया जाए।

एलायंस क्लब ने सैनिक भाइयों को भेजी राखियां

जिले की बनी राखियों से सजेगी सैनिक भाइयों की कलाईयां

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल प्रतापगढ़ द्वारा क्लब के अंतर्राष्ट्रीय कमेटी चेयरमैन रोशनलाल उमरवैश्य के नेतृत्व में महिला शाखा की ओर से सीमाओं पर प्राणों को जोखिम में डालकर देश की रक्षा के लिए तैनात सैनिक भाइयों को राखी भेजी गई। गुरुवार को प्रधान डाकघर प्रतापगढ़ के प्रवर अधीक्षक डाकघर नरसिंह को 1001 राखियां पोस्ट करने के लिए सौंपा गया। इस अवसर पर कवि साहित्यकार डॉ दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि वीर सैनिक सपूतों का ऋण चुकाया नहीं जा सकता। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी देश की रक्षा करते हैं।

रोशनलाल के नेतृत्व में क्लब की महिला शाखा द्वारा निर्मित राखी प्राप्त करके उनका हौसला बढ़ेगा। महान समाजसेवी क्लब के अंतरराष्ट्रीय कमेटी चेयरमैन रोशनलाल ने कहा कि बहादुर सैनिक भाइयों से सदा आत्मीय भाव होना चाहिए। उनके त्याग और सेवा की प्रशंसा की जानी चाहिए। प्रवर अधीक्षक डाकघर नरसिंह ने सैनिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपने देशभक्ति के जज्बे से प्राणों को न्यौछावर करने को तैयार रहते हैं। उनके परिवारों की भी देखभाल की जानी चाहिए। इस अवसर पर प्रवर डाकपाल विकास मिश्र, दीक्षा, आरती, बबीता, अंकिता सिंह, श्रेया सिंह, रेखा उमरवैश्य, अर्चना खंडेलवाल, पूनम गुप्ता, सुधा अग्रवाल, ज्योति खंडेलवाल, मेघा आदि लोग मौजूद रहे।

तीसरे दिन भी नहीं पता चला शिवेंद्र का, खोजबीन जारी

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां निवासी शिवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र कौशलेश पाल सिंह (पुनने) (21) वर्षीय अपने घर से सोमवार की रात लगभग नौ बजे बिना बताए स्कूटी लेकर निकला जो देर रात तक वापस घर नही लौटा, जिसकी परिजनों ने खोजबीन शुरू किया तो मंगलवार की सुबह लेहदरी कौशाम्बी गंगापुल के पास उसकी स्कूटी सड़क पर खड़ी मिली, जिसके हैंडिल के ऊपर शिवेन्द्र की टीशर्ट रखी हुई थी। बुधवार को थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने जिला मुख्यालय से स्टीमर व गोताखोर जवानों को बुलाकर गंगा में खोजबीन शुरू कराई। गुरुवार की शाम तक पीएसी के जवान पानी मे स्टीमर से शिवेन्द्र को तलाशते रहे लेकिन खबर भेजे जाने तक कोई सुराग नहीं लग सका।

कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ः छविनाथ यादव

बाबूगंज व शहर में हुई सपाईयों की समीक्षा बैठक

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी सदर विधानसभा की सेक्टर एवं बूथ प्रभारी समीक्षा बैठक चतुरपुर बाबूगंज एवं शहर के प्लाजा पैलेस में संपनन हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डा.रामबहादुर पटेल व संचालन शिवशंकर यादव एवं जगदीश मौर्या ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव ने सेक्टर व बूथ प्रभारी को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होता है। इसमें कोई शक नहीं है। सरकार को बनाने का काम करता है।

समस्त सेक्टर एवं बूथ प्रभारी दिए गए निर्देश के अनुसार मतदाता सूची में नाम बढ़ाने एवं संशोधन का कार्य युद्ध स्तर पर करें जिससे 2022 में अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जा सके। जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने कहा कि यदि बूथों पर बीएलओ नहीं आते हैं तथा किसी प्रकार के हीला हवाली करते हैं तो जिला संगठन को सूचित करने का कार्य करें।

जिससे उनके विरूध कार्यवाही करवाई जा सके तथा मतदाता सूची का काम पूरा हो सके। इस अवसर पर पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुनन यादव, शान्ति सिंह, महिमा गुप्ता, शहरे आलम शीबू, संतोष यादव, सुषमा पाल, शबनम बानो, राव वीरेंद्र सिंह, संजीव गुप्ता, इरशाद सिद्दीकी, मीडिया प्रभारी मनीष पाल सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

रोहित बने युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष

परियावां, प्रतापगढ़। रोहित मिश्रा को युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद आलापुर में पहली बार आगमन पर कुसुवापुर मंडल के भारतीय जनता पार्टी के मंडल महामंत्री गौरव शुक्ला ने अपने समर्थकों के साथ आलापुर में भव्य स्वागत किया। साथ में आलापुर सेक्टर प्रभारी सुधीर कुमार शुक्ला, गोलू दादा, अर्थ मोहम्मद सिद्दीकी, अल साकिब, ऋषभ सोनी, शुभम सोनकर, मानस आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्टेशन पर हंगामा कर रहे सिपाही को आरआई के सुपुर्द किया

प्लेटफार्म पर जीआरपी ने पकड़कर की कार्यवाई

प्रतापगढ़। पुलिस लाइन में रहने वाले सिपाही ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया। जीआरपी उसे पकड़कर थाने ले गई। आरआई को फोन किया। वहां से पुलिस वाले आये उसे लेकर चले गये। यह सिपाही आये दिन दुकानदारों के साथ मारपीट और गालीगलौच करता है। बता दें कि यह सिपाही स्टेशन पर अक्सर यात्रियों को तंग करता है। हंगामे की वजह से लोग परेशान रहते हैं। बताया जाता है कि यह सिपाही पुलिस लाइन में है। कुछ दिन पहले भी स्टेशन आया था। इसी तरह की हरकतों के कारण जीआरपी वालों ने उसके खिलाफ लिखा पढ़ी की थी। एसओ के अनुसार सिपाही को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। आज फिर से वह सिपाही स्टेशन पहुंच गया। एसओ हरिनाथ यादव ने बताया कि सिपाही का नाम प्रमोद यादव है। शिकायत मिलने पर उसे थाने लाया गया। आरआई को फोन से सूचना दी गई। शाम को फोर्स वहां से आई प्रमोद को ले गई।

आये दिन सिपाही की हरकतों से परेशान हैं लोग

कलेक्ट्रेट सभागार में दो प्रवक्ता, 26 सहायक अध्यापकों को दिया गया नियुक्ति पत्र

अखंड भारत संदेश

भदोही। रोजगार के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से जनपद भदोही में चयनित 02 प्रवक्ता एवं 26 सहायक अध्यापकों को कलेक्ट्रेट सभागार में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोक भवन में 200 प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। पूरे प्रदेश में 2846 नव चयनित प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापकों का नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाकर योग्य लोगों को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्ति प्रदान की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव चयनित प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार नई पीढ़ी को शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने सभी नवनियुक्त प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को शुभकामनाएं व्यक्त किया।

उन्होने कहा कि प्रदेश की प्रतिभा का सम्मान करने के लिए यह आनलाइन प्रक्रिया पारदर्शी व्यवस्था के तहत बनायी गयी है, जो स्वतः ही सिस्टम से बिना किसी

सिफारिश के वरियता के आधार पर जनपद चयन का विकल्प प्रदान की है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि अध्यापक समाज का भाग्य विधाता होता है। वह सौभाग्यशाली होता है, जो शिक्षक बनकर समाज को शिक्षित करता है। उसके अन्दर अनवरत विद्यार्थी का गुण बना रहना चाहिए। अध्यापक शिष्य के लिए सदैव आदर्श होता है। उन्होने नवनियुक्त शिक्षको को मंगल शुभकामना देते हुए बेहतर परिणाम देने की अपील की। वहॉ उपस्थित सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। विधायक भदोही रविंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि नव चयनित प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी चयनित प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक अपनी जिम्मेदारी का अच्छे से निर्वहन करते हुए बेहतर शिक्षा प्रदान करें, जिससे की बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके शिक्षा मूल शिक्षा है। शिक्षक बच्चों को पढाई-लिखाई के साथ-साथ आचरण की भी शिक्षा दे, जिससे की बेहतर समाज का निर्माण हो सके। जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी ने नव चयनित प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक को बधाई देते हुए कहा कि वे बहुत बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन करने जा रहे है। शिक्षा बच्चों के जीवन की नीव होती है। इसे ध्यान में रखते हुए पूरे मनोयोग से बेहतर शिक्षा बच्चों को प्रदान करें। समारोह को जिला विद्यालय निरीक्षक ने भी सम्बोधित किया। उन्होने कहा कि शिक्षक शिक्षा देने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा प्रदान करते हुए बच्चों का मार्गदर्शन करने में भी सहयोग करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह अपर उप जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र प्रताप सिंह एंव समस्त अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया ब्लड डोनेट, लोगों से की अपील

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी ने इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी ज्ञानपुर में स्वयं ही ब्लड डोनेशन किया और लोगो से अपील किया कि आप लोग भी बढ़-चढ़कर भाग लेकर ब्लड डोनेशन करें। उन्होने कहा कि ऐसे लोग जो ब्लड न मिलने के कारण अपना प्राण त्याग देते है। आप लोगो के ब्लड डोनेशन करने से किसी भी व्यक्ति को प्राण दान मिल सकता है। आज रेडक्रास सोसाइटी ज्ञानपुर में पिछले महिने 18 मार्च 2021 को ब्लड डोनर करने वालों में मनीष सिंह, हरीकिशन शुक्ला, आदर्श कुमार सिंह, शिवम दूबे, आदर्श सिंह, संदेश सिंह, मुराली लाल यादव, डॉ0 माया त्रिपाठी, मृत्युजन गुप्ता, कमलेश गुप्ता, रिषभ तिवारी, विशाल तिवारी, अदय श्रीवास्तव, हरेन्द्र प्रताप सिंह, मोहित सिंह, रंजीत कुमार गुप्ता, रंजीत गुप्ता, किशन कुमार गुप्ता, नमन दूबे, को जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी के द्वारा कुल 19 ब्लड डोनरों को प्रमाण पत्र दिया गया। तथा आज के दिन कमल कुमार, शाहिद खान, सूरज गुप्ता, हरिपूजन यादव, हरिकिशन शुक्ला, अरूण कुमार, इसरत अली, भानू प्रकाश मौर्य, अनिल सोनी, मो0 आसिफ खान, गौरव चौहान, स्वेआ सिंह, ने ब्लड डोनेशन किया। मुख्य चिकित्साधिकारी संतोष कुमार चक ने कहा कि ब्लड डोनर की उम्र 18 साल से ऊपर और 65 साल से कम होनी चाहिए। उसके पास हीमोग्लोबिन की गिनती होनी चाहिए जो 12.5 ग्राम/डीएल से कम न हो। वजन 45 किलो से कम नहीं होना चाहिए। दान के समय शरीर का तापमान सामान्य होना चाहिए। दान करने से पहले आपको हमेशा ढेर सारा पानी पीना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि रक्तदान करने से पहले और बाद में आपको अच्छी तरह से संतुलित भोजन करना चाहिए। इससे आप स्वस्थ और फिट रहेंगे। इस अवसर पर भारतेन्दू द्विवेदी, राजेन्द्र जायसवाल सचिव, हरेन्द्र प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष, अरबिन्द भष्टाचार्य, आर0सी0 त्रिपाठी, डॉ0 घनश्याम दास गुप्ता एवं सम्बन्धित रेडक्रास सोसाइटी के सदस्यगण उपस्थित रहे।

सीतामढ़ी गंगा घाट पर घटने लगा जलस्तर

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के सीतामढ़ी गंगा घाट पर गंगा का जलस्तर पिछले हफ्ते से लगातार बढ़ रही थी जो गुरूवार को स्थिर हो कर अब घटने लगी है। केन्द्रीय जल आयोग के रिडिंग केन्द्र के अनुसार गुरुवार को सायं 4बजे 80.500पर जलस्तर था गंगा के वापस जाने के बाद लोगों की दुश्वारियां कम नहीं होगी तलवा इटहरा कलिक मवैया कलातुलसी छेछुआ में 200बिघा बाजरा धान तिल्ली की फसलें गंगा के पानी से नष्ट हो गई है किसान हाथ मल रहे महंगे बीज खाद जोताई हजारों रूपयों की क्षति हुई है तलवा के किसान श्रीपाल ईश्वर चंद्र सुभाष चन्द्र भास्कर ने जिलाधिकारी से सहायता की मांग किया । गंगा का पानी वापस होने के बाद गंदगी प्रदुषण से संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है जिसके बचाव के लिए दवा का छिड़काव की भी जरूरत है।

विद्युत खंभे में करंट प्रवाहित होने से महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के चेरापुर गांव में गुरुवार को लगभग 3:00 बजे विरोजपुर गंगा घाट का बाढ़ देखने गई महिला विद्युत खंभे में उतर रही करंट की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गंगा घाट का पानी लगातार बढ़ रहा था जिसे वह गुरुवार को देखने गई थी पानी से खंभा डूबने के कारण खंभे में करंट आने से मौत हो गई। बताते चलें कि मृतका बेलरादेवी उम्र 62 वर्ष स्वर्गीय कल्लू बिंद पतनी थी। गंगा नदी का पानी वापस बिहरोजपुर से गांव के नाले में आ रहा था, उसी के सब लोग देखने गए थे। वहां लगा खंभा ट्रांसफार्मर विद्युत प्रभावित हो गया। वह खंभे को जैसे ही पकड़ी वैसे ही उसकी चपेट में आ गई। आनन फानन परिजन निजी नर्सिंग होम ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जिला अधिकारी ने बाढ़ के दृष्टिगत बाढ़ नियंत्रण कक्ष में अधिकारियों की किए तैनाती

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी ने वर्ष 2021 में आगामी बाढ़ के दृष्टिगत राहत एवं बचाव कार्य हेतु जनपद भदोही में तहसील ज्ञानपुर के भारत भारतीय इन्टरमीडिएट कालेज रामपुर घाट गोपीगंज में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाती है। बाढ़ से संबंधित जिसके निस्तारण हेतु नियंत्रण कक्ष में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा तत्काल सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए समस्याओं के निस्तारण कराये जाने की कार्यवाही की जायेगी। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नोडल अधिकारी उपजिलाधिकारी ज्ञानपुर को निामित किया जाता है निके निर्देशन में बाढ़ नियंत्रण कक्ष में तैनाती कर्मचारी बाढ से सम्बन्धित प्राप्त होने वाली समस्त शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करायेगें। जनपद भदोही में तहसील ज्ञानपुर के भारत भारतीय इण्टरमीडिएट कालेज रामपुर घाट गोपीगंज में स्थापित नियंत्रण कक्ष में निमनलिखित प्रकार से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेश तक तैनाती की जाती है। कर्मचारी का नाम श्री रमाकान्त एन0 एम0 ए0 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सूरियावां, मोबाइल नम्बर 9956349046 दिनांक 10 अगस्त 2021 को प्रातः 06:00बजें से दोपहर 02:00बजें तक, श्री प्रभुदया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र औराई मोबाइल नम्बर-7351626810 दिनांक 10 अगस्त, 2021 समय दोपहर 02:00बजें से रात्रि 10:00बजें तक, श्री सोनपाल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र औराई मोबाइल नम्बर-7651840167 दिनांक 10 अगस्त 2021 को रात्रि 10बजें से प्रातः 06:00बजें तक। अतः बाढ़ नियंत्रण कक्ष में उपरोक्तानुसार तैनात अधिकारी/कर्मचारी समय से तत्काल अपना योगदान प्रस्तुत करें तथा यह भी निर्देशित किया जाता है कि बाढ़ से उत्पनन होने वाली किसी भी प्रकार की गम्भीर समस्या से अधोहस्ताक्षरी को नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से दिन प्रतिदिन कृत कार्यवाही से अवगत कराना सुनिश्चित करायेगें।

स्वतंत्रता दिवस पर लें देश को एकता एवम अखंडता के सूत्र मे बाँधने का अटूट संकल्प : डॉअनु वर्मा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। देश की आजादी मे कई वर्ष लगे साथ ही असंख्य क्रांतिकारियों नें अपने प्राणो की आहुति दी तब जाकर 15अगस्त,1947को सम्पूर्ण भारत देश नें आजादी की पहली किरण देखी।

हम सभी लोगों का नैतिक कर्तव्य बनता हैं देश मे आपसी भाईचारा एवम अखंडता को कायम रखने के लिए जितना अधिक हों सकें हम सभी लोगों को सकरात्मक प्रयास करना चाहिए उक्त बातें उड़ान फाउंडेशन की अध्यक्ष डा. अनु वर्मा नें गुरुवार को क्षेत्र के अमिलिया मे गरीब महिलाओ को साबुन, मास्क एवम सुरक्षा किट वितरण के दौरान व्यक्त की आगे उन्होंने सभी लोगों से स्वतंत्रता दिवस पर पांच -पांच उनन्त किश्म के पौधे लगाने के लिए प्रेरित भी की इस अवसर पर उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान करते हुए बोली कि आगामी 05सितंबर को विश्व अध्यापक दिवस के अवसर पर 25मेधावी छात्र /छात्राओं को क्षेत्र के श्री शुभम इंटर कॉलेज बड़गोहना खुर्द मे लैपटाप एवम पौधे भेंट करेंगी। उक्त कार्यक्रम मे गणमान्य लोगों सहित क्षेत्रीय लोग मौजूद रहें।

प्रत्येक शनिवार को किया जाएगा वैक्सीनेशन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को कोविड टीकाकरण केवल द्वितीय डोज उपरोक्त सत्र पर लगेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र औराई, भदोही, डीघ, गोपीगंज, सूरियावॉ, दुर्गागंज भानीपुर, कोविशिल्ड महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर कोविशिल्ड, महाराजा बलवन्त सिंह चिकित्सालय भदोही कोविशिल्ड, अरबन पी0एच0सी0 नई बाजार, मईहरदोपट्टी, ममहर, अमिलौरी में कोवैक्सीन, कोविशिल्ड प्रथम डोज के 84 दिन पूर्ण होने के बाद, कोवैक्सीन प्रथम डोज के 28 दिन पूर्ण होने के बाद, कोविड टीकाकरण के लिए आनलाईन रजिस्टेशन एवं ऑनस्पाट रजिस्टेशन दोनो ही सुविधा उपलब्ध है।

बाढ़ प्रभावितों को रहने, खाने व स्वास्थ्य का जिम्मा प्रशासन का, एसडीएम

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। जब तक बाढ़ का पानी नहीं हटता तब तक बाढ़ से प्रभावित होकर बेघर हुए परिवारों की रहने ,खाने व स्वास्थ्य की जिम्मेदारी प्रशासन की है । उक्त बातें गुरुवार के दिन बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों व मौजूद जनप्रतिनिधियों के बीच एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी भीटा स्थित अनंत राम डिग्री कॉलेज के परिसर में कही । उन्होंने बैठक में आये ग्रामीणों से बारी बारी से समस्या सुनी ।इस बीच उन्होंने कहा कि बारिश या बाढ़ की चपेट में आने से गिरे घरों की सूची ग्राम प्रधान व हल्का लेखपाल को दे दे जिससे लोगो को समय से उसकी भरपाई की जा सके । आगे कहा कि लोग परेशान ना हो प्रभावित लोगों को सरकारी सुविधाएं मिलेंगी जिससे उनका आम जन जीवन प्रभावित न हो। इस मौके पर आरडी द्विवेदी,पूर्व प्रधान हरीराम त्रिपाठी,प्रधान कंजासादिनेश निषाद,प्रधान जगदीश पुर विराट तिवारी,भीटा पूर्व प्रधान विद्याधर द्विवेदी,रामअजोर यादव,मुकेश द्विवेदी, दिनेश मिश्र, राजन निषाद,गुलाब निषाद प्रधान बिरवल ,विनोद गोस्वामी आदि लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य टीम ने बाढ़ प्रभावित गांवों में संक्रामक रोगों से बचने के लिए बांटी दवा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बाढ़ प्रभावित गांव कंजासा में गुरुवार के दिन सीएचसी जसरा के अधीक्षक डॉ तरुण पाठक ने अपनी स्वास्थ्य टीम के साथ ग्रामीणों के बीच संक्रामक रोगों से बचने के लिये जरूरत की दवाएं वितरित किया।

घूरपुर क्षेत्र के वैसे तो कई गांव यमुना की बाढ़ से प्रभावित है ।कई दर्जन घरों में बाढ़ का पानी भर गया।और कई के तो घर डूब गए और धरासाई भी हो गए । बाढ़ की चपेट में आने से गांव में संक्रामक बीमारी फैल सकती है जिसके लिए सीएचसी जसरा अधीक्षक डॉ तरुण पाठक अपनी स्वास्थ्य टीम के साथ कंजासा पहुंचे और लोगों को जरूरत की दवाएं वितरित की।

पिता की पुण्यतिथि पर थाना अध्यक्ष ने गरीब परिवारों को बाटे भोजन

उतरांव प्रयागराज। उतरांव थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह अपने पिता के 13 वी पुण्यतिथि पर मुसहर कुनबे को भोजन वितरित किया।उतरांव थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यह कार्य कर गर्व महसूस किए। जिला गाजीपुर निवासी स्वर्गीय मोहन सिंह के बेटे प्रवीण कुमार सिंह जो प्रयागराज जिले के उतराव थाना अध्यक्ष हैं। बहुत ही कम उम्र में प्रवीण कुमार सिंह कई थानों के अध्यक्ष रह चुके हैं। गुरुवार को अपने पिता की पुण्यतिथि पर उतरांव में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय शिव मोहन सिंह के प्रतिमा पर पुष्प अर्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी। वहीं थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने उतराव क्षेत्र के बसगित में निवास कर रहे सैकड़ों मुसहर परिवारों को भोजन व अन्य सामग्री वितरण किया। उन्होंने

कहा कि गरीबों की मदद करना सभी का कर्तव्य है। हर समय व्यक्ति को असहाय, गरीब,व जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। उक्त अवसर पर अमित द्विवेदी का भारी सहयोग रहा।

झपकी लगने से अनियंत्रित होकर पलटी ट्रेलर एक की मौत तीन घायल

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के एकडला हाईवे पर अनियंत्रित होकर एक ट्रेलर पलट गई।ट्रेलर में बैठे जेसीबी आपरेटर की मौके पर मौत हो गई।वही चालक समेत दो खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया।पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी है। नोएडा से पटना के लिए जेसीबी लाद कर जा रही ट्रेलर गुरुवार सुबह लगभग 6:00 बजे के करीब एकडला हाईवे पुलिया पर पहुंचा ही था कि अचानक चालक को झपकी आ जाने से ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए 20 फीट नीचे जाकर पलट गई। वही ट्रेलर में बैठे जेसीबी ऑपरेटर राहुल कुमार 27 पुत्र अजब सिंह निवासी मलकपुर अनूपशहर बुलंदशहर की मौके पर

मौत हो गई।ट्रेलर चालक जावेद निवासी झारखंड व खलासी साहिल व असदुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज आवाज सुन स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची उत्तराव पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल में इलाज के लिए भिजवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी।

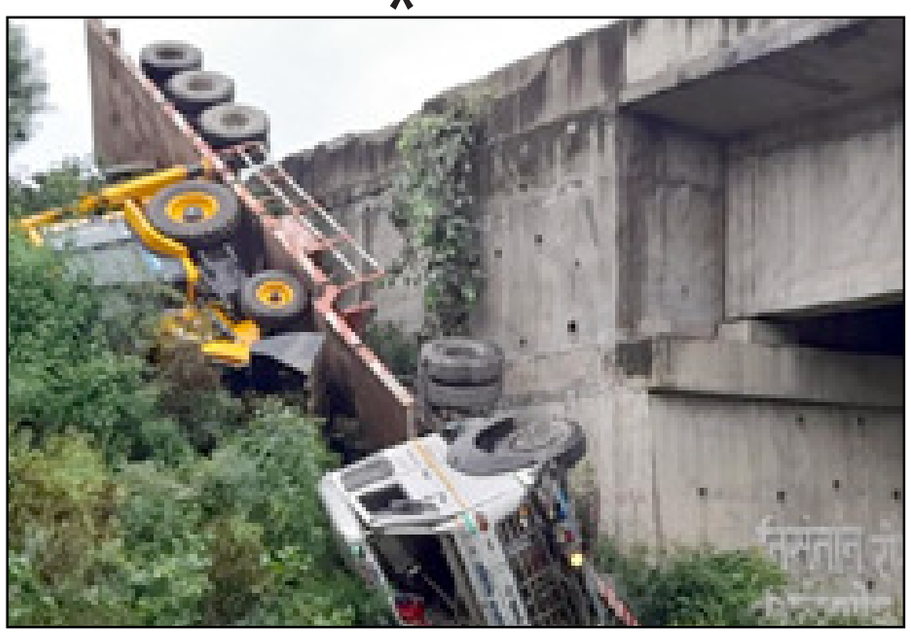

बारिश बनी आफत सीलन से ढहे आधा दर्जन घर

घूरपुर। लगातार कई दिनों से हो रही बारिश कच्चे आवासियो के लिए आफत बन गई। दो दिन के अंदर बारिश के सीलन से आधा दर्जन घर भरभरा कर गिर गए।

कई दिनो से तेज बारिश होने के चलते सीलन से इलाके के सेमरा कल्बना गांव के राजेश गुप्ता, मिथिलेश कुमार, बृजेश कुमार, शेष राज और इरादतगंज के राम कुमार शर्मा का कच्चा घर भरभरा कर ढ़ह गया। हज़ारों की गृहस्थी का सामान मलवे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। पीडि़त खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है। और सरकार द्वारा राहत की राह देख रहे हैं। वहीं मोहनी का पूरा गांव के राम कैलाश के घर पर पेड़ गिर जाने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया।

भाजपा मंडल अध्यक्षों ने काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा का किए स्वागत

किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा को नियुक्त किए जाने पर भाजाइयों में हर्ष है। गुरुवार के दिन मंडल अध्यक्षों ने स्वागत कार्यक्रम का आयोजन कर नव नियुक्त उपाध्यक्ष को माला और बुके देकर स्वागत किया। विजय श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष सिविल लाइंस ने स्वागत करते हुए कहा कि रमाकांत विश्वकर्मा जी के आने पर निश्चय ही काशी क्षेत्र से सम्बान्धित जनपदों के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता मे नई उर्जा का संचार होगा जिससे मिशन 2022 प्राप्त करने में और शक्ती मिलेगी। उपाध्यक्ष रमा कांत विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सब का साथ सब का विकास तथा सबका विश्वास के साथ जनाधार बढ़ाया जायेगा। और सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ का मान सम्मान का अवश्य ख्याल रखा जायेगा। स्वागत करने वालो मे अनिल भट्ट मंडल अध्यक्ष भरतद्वाज आश्रम, शिव कुटी मंडल अध्यक्ष, संजय पासवान वरिष्ठ भाजपा नेता, डॉ शैलेश पांडेय, सुमित मौर्य, अनिल मिश्रा सहित आदि मंडल अध्यक्ष व दर्जनों भाजपाइयों ने स्वागत किया।

सम्पादकीय

ओबीसी बिल के संकेत

कोई भी पार्टी इस वोट बैंक को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से यह संदेश नहीं जाने देना चाहती कि वह उसके हितों की चिंता करने के मामले में औरों से पीछे है। यही वजह है कि केंद्र सरकार फटाफट बिल ले आई और विपक्ष ने भी पेगासस से लेकर कृषि कानूनों तक पर चल रही अपनी आरपार की लड़ाई को कुछ समय के लिए भुला देने में जरा भी हिचक नहीं दिखाई। लोकसभा ने ओबीसी लिस्ट बनाने के राज्यों के अधिकार से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को जिस तरह से पारित कियाए वह काफी कुछ कहता है। पूरे मॉनसून सत्र के दौरान देखा गया विपक्ष का हंगामाए शोर.शराबा और विरोध कुछ समय के लिए थम गया। इस बिल की खातिर विपक्ष ने अपना विरोध स्थगित कर दिया। सत्ता पक्ष और विपक्ष की असाधारण एकजुटता के बीच यह संशोधन विधेयक 385 बनाम शून्य मतों से पारित हो गया।

अब इसे राज्यसभा में पेश किया जाना है और पूरी संभावना है कि वहां भी यह ऐसी ही आसानी से पारित हो जाएगा। इस बिल की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को दिए अपने एक फैसले में कहा कि 102वें संविधान संशोधन के बाद राज्यों को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों की अपनी सूची तैयार करने का अधिकार नहीं है। यानी राज्य सरकारें अपने स्तर पर किसी खास समुदाय को आरक्षण के दायरे में नहीं ला सकतीं। यह अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार के पास है। स्वाभाविक रूप से राज्य सरकारों ने इसे अपने अधिकारों में कटौती के रूप में लिया और विपक्षी दल केंद्र पर निशाना साधने लगे। मगर इस संशोधन विधेयक पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जो रजामंदी दिख रही है उसके पीछे संविधान के संघात्मक ढांचे के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपों से ज्यादा ओबीसी समुदायों के मजबूत वोट बैंक की भूमिका है। कोई भी पार्टी इस वोट बैंक को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से यह संदेश नहीं जाने देना चाहती कि वह उसके हितों की चिंता करने के मामले में औरों से पीछे है। यही वजह है कि केंद्र सरकार फटाफट बिल ले आई और विपक्ष ने भी पेगासस से लेकर कृषि कानूनों तक पर चल रही अपनी आरपार की लड़ाई को कुछ समय के लिए भुला देने में जरा भी हिचक नहीं दिखाई। बिल पर सदन में हुई बहस में भी जो दो मुद्दे प्रमुखता से उठे वे थे. जाति आधारित जनगणना और आरक्षण पर लगी अधिकतम 50 फीसदी की सीमा को समाप्त करने की जरूरत। दोनों ही मसलों पर सरकार का सकारात्मक रुख रहा। 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण के संबंध में हालांकि उसने कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए सावधानी की जरूरत बताईए लेकिन यह कहना नहीं भूली कि वह इस मसले पर सांसदों की भावना समझती है। जातिवार जनगणना को लेकर भी संकेत है कि 2021 में नियमित जनगणना का काम पूरा होने के बाद इसका काम शुरू करवाया जा सकता है। संसदीय राजनीति के सभी धड़ों में ऐसी व्यापक सहमति बताती है कि बहुत संभव हैए हम जल्दी ही एक बार फिर देश में आरक्षण को सभी रोगों की दवा बताने वाली राजनीति हावी होते देखें। एक समाज के रूप में इस दौर का भी सर्वश्रेष्ठ हमें मिलेए इसके लिए राजनीति को थोड़ा और क्रिएटिवए थोड़ा और कल्पनाशील बनना होगा।

भारत की समुद्री यात्रा लोथल से हॉर्स टेबल तक

हर्षवर्धन श्रृंगला

ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की है। यह भी पहली बार हुआ है कि अंतरराष्ट्रीय शांति एवं समुद्री सुरक्षा की कार्य सूची मद के तहत समुद्री सुरक्षा मामले पर चर्चा की गई। हालांकिए परिषद ने इससे पहले भी जल दस्युता और सशस्त्र लूट से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की हैए परंतु इस विषय पर यह पहली व्यापक चर्चा है और अंततः भारत द्वारा इस कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर परिषद ने सभी 15 सदस्य राष्ट्रों की सर्वसम्मति से समुद्री सुरक्षा संबंधी अध्यक्षीय वक्तव्य पारित किया. जो इस विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का ऐसा पहला परिणामी दस्तावेज़ है। यूएनएससी अध्यक्षीय वक्तव्य में पुनःपुष्टि की गई कि महासागर कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय में परिलक्षित अंतरराष्ट्रीय कानून में महासागरीय प्रयासों पर लागू विधिक ढांचा निर्धारित किया गया है। इसमें 26ध्11 मुंबई आतंकी हमले की तरह आतंकवादियों द्वारा समुद्र के उपयोग पर ध्यान आकर्षित किया गया है और ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए क्षमता निर्माण तथा प्रभावी प्रक्रियाओं को साझा करने का आह्वान किया गया है। इसके अलावाए समुद्र में अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध की निरंतर समस्या पर भी ध्यान दिया गया है। इसमें महासागर के वैध उपयोगए नाविकों एवं तटीय समुदायों के जीवन और आजीविका के सुरक्षा उपायों पर भी बल दिया गया है।इस कार्यक्रम में यूएनएससी के सदस्य राष्ट्रों से उच्च.स्तरीय भागीदारी हुई हैए जिसमें चार राष्ट्राध्यक्षध्शासनाध्यक्ष और 10 मंत्री उपस्थित थे। यह भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति और हमारे प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में समुद्री सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के ढांचे के रूप में पाँच सिद्धांत प्रस्तावित किए। इसमें वैध समुद्री व्यापार की बाधाओं को हटानेय समुद्री विवादों का शांतिपूर्ण तरीके से और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निपटान करनेय प्राकृतिक आपदाओं और अराजक तत्वों से होने वाले समुद्री खतरों से संयुक्त रूप से लड़नेय समुद्री परिवेश और संसाधनों को संरक्षित रखनेय जिम्मेदार समुद्री संपर्क को बढ़ावा देने की आवश्यकता को शामिल किया गया था। ये पाँच सिद्धान्त सहज रूप से समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने के भारत के दृष्टिकोण का विस्तार है। 2015 में प्रधानमंत्री ने पहली बार सागर अथवा क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकासष् की अवधारणा को प्रतिपादित किया था। इसके बाद उन्होंने 2018 में सिंगापुर में शांगरी.ला वार्ता में वक्तव्य दिया जिसमें भारत के भारत.प्रशांत विजन का उल्लेख किया गया। 2019 में प्रधानमंत्री ने बैंकॉक में हुए पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन में भारत.प्रशांत महासागर पहल की शुरुआत कीए जिसमें समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रों के बीच सहयोग हेतु सात स्तंभों का प्रस्ताव दिया गया।1200 द्वीप समूहों वालेए 7500 किमीण् लंबे समुद्र तट सहितए महासागर हमेशा से भारत के लोकाचार में महत्वपूर्ण रहा है। हमारा समृद्ध समुद्री इतिहास कम से कम तीन सहस्राब्दी ईसा पूर्व का हैए जब सिंधु घाटी सभ्यता के लोग मेसोपोटामिया के साथ समुद्री व्यापार किया करते थे। गुजरात के लोथल में विश्व के पहले बंदरगाह के पुरातात्विक अवशेष हजारों वर्षों से समुद्रगामी राष्ट्र के रूप में भारत के कौशल का प्रमाण हैं। आज भारत का लगभग 90ः अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। यह हमारे हित में है कि समुद्री मार्ग परस्पर समृद्धि और शांति का मार्ग बना रहे।

भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र और उसके बाहरी क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करने वाले देश के रूप में अपनी पहचान बनाई हैए जिसमें मानवीय सहायता और आपदा राहत के लिए सबसे पहले कार्रवाई करना भी शामिल है। पश्चिमी हिंद महासागर में अपने पड़ोसियों से प्राप्त हाल के अनुरोधों पर भारत की त्वरित कार्रवाईए सागर और ष्सुधैव कुटुम्बकमष् दोनों के संबंध में प्रधान मंत्री के विजन के अनुरूप है। गुरुग्राम स्थित हिंद महासागर क्षेत्र सूचना संकलन केंद्र ;आईएफसी.आईओआरद्ध समुद्री सूचना के आदान.प्रदान का केंद्र बन गया हैए जिसमें कई देशों ने अपने संपर्क अधिकारी तैनात किए है। भारतीय नौसेना ने भागीदार देशों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करने के साथ.साथ जल दस्युता रोधी अभियानों को तेज किया है। समुद्री प्रदूषण नियंत्रण एक नया विषय हैए जिसके तहत भारत ने श्रीलंका और मॉरीशस के सहायता अनुरोधों पर कार्रवाई की है। जैसाकि सोमवार को हुई यूएनएससी बैठक में अनेक वक्ताओं ने कहाए एक अछूते विषय पर परिषद में चर्चा करवाना एक उल्लेखनीय सफलता है। परिषद में समुद्री सुरक्षा पर चर्चा करवाने के विगत प्रयासए विशेष रूप से पी.5 सदस्यों की अवधारणा में मतभेद के कारण सफल नहीं रहे थे। सोमवार की बहस में बाधाएं स्पष्ट रूप से सामने आई। फिर भीए परिषद ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष के वक्तव्य के रूप में एक परिणामी दस्तावेज को पारित किया। भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और इसकी रचनात्मक भूमिका ने यह साबित कर दिया है कि आपसी चर्चा से वैश्विक मुद्दों पर वास्तव में प्रगति की जा सकती है। भारत ने इस खुली बहस की सफलतापूर्वक अध्यक्षता करकेए विश्व मंच पर एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी साख कायम की है। हमारे अध्यक्ष पद के पहले अभिभाषण कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम ने हमारे इस विश्वास को और मजबूत किया है कि समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले सुरक्षा परिषद तथा एक स्थायी सदस्य के रूप में प्रसिद्ध ष्हॉर्सशू टेबलष् पर भारत के सही स्थान पाने के साथ असंख्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है।

सत्ता का विकेंद्रीकरण और पंचायती राज

प्रखर वात्स्यायन

24 अप्रैल को देशभर में ष्राष्ट्रीय पंचायत राजष् दिवस मनाया जाता है। सत्ता में भागेदारी बनाने के मकसद से पंचायती राज का स्थापना हुआ था। 1993 में संवैधानिक दर्जा मिलने के बाद पंचायती व्यवस्था का परिणाम काफी बेहतर तो नहीं मगर आशा जनक रहा है। पंचायती राज के स्थापना होने से पिछड़े और वंचित लोगों को सशक्त बनने में मदद मिली है। हालांकि पंचायती राज का गठन 1950 में ही हो गया था मगर 1993 में इसे संवैधानिक दर्जा मिला। महिलाए आदिवासी और दलित को मिल रहे आरक्षण ने इस व्यवस्था को सशक्त तो बना दिया है। मगर सवाल यह है कि इससे सत्ता का विकेंद्रीकरण पर क्या प्रभाव पड़ा है और क्या सच में समाज के हर वर्ग को सत्ता में प्रतिनिधित्व का अधिकार प्राप्त हुआ है। पंचयाती राज को संवैधानिक दर्जा मिलने का मकसद शक्ति का विकेंद्रीकरण कर के पंचायत और गाँव को मजबूत करना था। केन्द्र और राज्य सरकार शक्तियों को कम कर के स्थानीय राज को अधिकार देना का मकसद था। लोकतंत्र को पंचायत के स्तर पर मजबूत करना था। यह व्यवस्था लोकतंत्र को मजबूत करने की कोशिश तो कर रही है मगर हर सिक्के के दो पहलू होते हैं ठीक उसी प्रकार से पंचायती राज का भी नाकरात्मक प्रभाव भी है। लोग पैसेए दबंगगिरी और नशीली पदार्थी का उपयोग कर के चुनाव के महौल को तहस.नहस और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते हैं। इसमें सियासी दलों का दखल अंदाजी से पंचायत चुनाव धीरे धीरे राजनीति का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें अशिक्षित महिलाएं चुनाव तो लड़ लेती हैं मगर अपना प्रतिनिधित्व और अपने अधिकारों का इस्तेमाल सुचारू रूप से नहीं कर पाती हैं। इससे समाज में कुप्रभाव का महौल बन रहा है। समाज में मुखिया पतिए सरपंच पति और जिला परिषद पति जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके टिप्पणी की जा रही है। इस चुनाव में चुनावी हिंसा और सियासी दुश्मनी भी खूब देखने को मिलती है।

पंचायत चुनाव में भी अब लोकसभा और विधानसभा की तरह दूषित राजनीति की शुरुआत हो चुकी है। पंचायत चुनाव में जीते हुए प्रतिनिधि आत्मनिर्भर नहीं होने के कारण सही फैसले लेने में अक्षम है। पंचायत चुनाव में तो फंड काफी मिला है मगर सरकार के द्वारा पंचायत के जीते हुए प्रतिनिधि को आत्मनिर्भर बनाने या प्रशिक्षण देने का प्रयास नहीं किया गया है। इस कारण कई तरह की लापरवाही देखने को समाचार पत्रों में देखने को मिलती रहती है। पंचायत चुनाव में घूसखोरी और भ्रष्टाचार चरम सीमा को पार कर चुका है। लगभग 25ः पंचायतों में अभी भी पंचायत कार्यालय नहीं से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है और प्रखंड का चक्कर भी लगाना पड़ता है। प्रखंड में पदाधिकारियों द्वारा लापरवाही बरतने से आम लोगों की फाइलें दबी रह जाती है और उनको लाभ मिलने में काफी समय का इंतजार करना पड़ता है। कोई काम तेजी से नहीं हो पाता है। भारत में लगभग 5000 सांसद और विधायक के अलावा 28 लाख ग्रामीण प्रतिनिधि भी हैं। लेकिन सत्ता की विकेंद्रीकरण की यह कोशिश कितनी सफल हुई है। धनबल और बाहुबल के कारण स्थानीय जगहों पर सांसदों और मंत्रियों का लगातार प्रभाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में पंचायत चुनाव लड़ना भी पैसों क खेल हो गया है जो कि गरीब और वंचित लोगों के बूते से बाहर हो गया है। ग्राम पंचायते हमेशा से ही सांसदों और विधायकों पर निर्भर रहता है। इस से गांवों में स्वराज का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है।

पंचायती राज में अभी भी बहुत कुछ ठीक करने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों के घरों में शिक्षा की जागरूकताए राजनीति के प्रति जागरूकता और अधिकारों को समझए पंचायतों को राजनीति का आँखड़ा नहीं बनने देनाए पंचायत के चुनाव में सियासी दलों को चुनाव लड़ने पर प्रतिबंधए पंचायत के फंडों पर निगरानी और प्रतिनिधि और पदाधिकारी के घूसखोरी और भ्रष्टचार पर ध्यान और पंचायत राज को लोकतांत्रिक रूप से मजबूत करने के लिए पंचायतों को अपनी योजना खुद तैयार करना और उसे लागू करने का अधिकार देना चाहिए और प्रतिनिधि को आत्मनिर्भर निर्भर बनाना चाहिए और समय समय पर प्रशिक्षण देना चाहिए। घूसखोरी और भ्रष्टाचार पर रोक लगाना चाहिए। तब जाकर महात्मा गांधी का पूर्णतः स्वराज वाला सपना साकार हो पाएगा।

क्या बहुमत पर भारी पड़ गया है अल्पमत ? हंगामे को देखते रहने के लिए क्यों मजबूर है सरकार ?

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो यह संसद का नियमित सत्र जरूर था लेकिन इसके लिए तैयारियां विशेष रूप से की गयी थीं। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराते हुए सत्र का आयोजन किया गया था। संसद परिसर में तमाम तरह के उपकरण लगाये गये थे ताकि किसी प्रकार के संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। कोरोना की दूसरी लहर से जब देश जूझ रहा था और व्यवस्थाएं चरमराती नजर आ रही थीं तब विपक्ष सरकार से बार-बार माँग कर रहा था कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाये ताकि महामारी से निपटने के उपायों पर चर्चा की जा सके लेकिन जब संसद के नियमित मॉनसून सत्र का आयोजन हुआ तो उसे विपक्षी दलों ने चलने नहीं दिया। जब हर क्षेत्र में 100 प्रतिशत कार्य पूरा करने पर जोर दिया जाता है तो ऐसे में यह निराशाजनक ही है कि हमारे देश की संसद के निचले सदन लोकसभा में 22 प्रतिशत और ऊपरी सदन राज्यसभा में 28 प्रतिशत कामकाज ही हो पाया।देखा जाये तो यह संसद का नियमित सत्र जरूर था लेकिन इसके लिए तैयारियां विशेष रूप से की गयी थीं। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराते हुए सत्र का आयोजन किया गया था। संसद परिसर में तमाम तरह के उपकरण लगाये गये थे ताकि किसी भी प्रकार के संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। यही नहीं सत्र से पहले भारत-चीन तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विपक्ष के बड़े नेताओं के साथ बैठकें कर केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों ने उन्हें यथास्थिति की जानकारी दी थी। लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वदलीय बैठकों में भी सभी दलों को यह आश्वासन मिला था कि उनकी बात सुनी जायेगी। इसके अलावा सत्र की शुरुआत होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि विपक्ष तीखे से तीखे सवाल पूछे मगर सरकार को जवाब देने का समय भी दे लेकिन विपक्ष तो जैसे पहले से ही ठानकर बैठा था कि किसी कीमत पर संसद को काम नहीं करने दिया जायेगा और वह अपने अभियान में सफल भी रहा।

हम आजादी की 75वीं वर्षगाँठ मनाने जा रहे हैं, इन वर्षों में हमारे देश ने तरक्की भी बहुत की है, हम दुनिया में लोकतंत्र की जननी है लेकिन दुर्भाग्य देखिये कि लोकतंत्र को इतना शर्मसार कर दिया गया है कि राज्यसभा के सभापति सदन में रो पड़ते हैं, लोकसभा के अध्यक्ष कहते हैं कि सदन में जो कुछ हुआ उससे मुझे बड़ी वेदना हुई। यह सब क्या दर्शाता है? क्या हमारा लोकतंत्र इतना मजबूर हो गया है कि बहुमत पर अल्पमत भारी पड़ रहा है? क्या विपक्ष इतना ताकतवर हो गया है कि देश के विकास की राह में बाधा उत्पनन कर सके और सरकार सिर्फ देखती रहने को मजबूर हो? राज्यसभा में कभी मंत्रियों के हाथ से कागज छीनकर फाड़े गये, कभी सदन के नेता और मंत्रियों का घेराव किया गया तो कभी रिपोर्टर मेज पर चढ़कर नियमावली को आसन की ओर उछाला गया। क्या इसी तरह से लोकतंत्र चलता है?

किसान नेताओं के समर्थन में संसद के मॉनसून सत्र का पूरा समय तो विपक्ष ने बर्बाद किया ही साथ ही इस सप्ताह मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस सांसद प्रताप सिंह बाजवा ने जो हरकत की उसने लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर को शर्मसार कर दिया। पूरे देश ने देखा कि जिन सांसदों पर कानून बनाने की जिम्मेदारी है उनमें से कुछ ने कैसे नियमों की धज्जियाँ उड़ाईं। ना सिर्फ दोनों सदनों की मर्यादा भंग की गयी बल्कि संसद के प्रति अविश्वास का भाव पैदा करने का प्रयास भी किया गया क्योंकि आज के युग में यह जो पब्लिक है वह अच्छी तरह जानती है कि संसद की कार्यवाही के संचालन में हर घंटे लाखों रुपये खर्च होते हैं और इस खर्च की भरपाई जनता अपनी गाढ़ी कमाई से करती है। बहरहाल, अब समय आ गया है कि सदन की कार्यवाही के संचालन से जुड़े नियमों को और सख्त बनाया जाये साथ ही नो वर्क नो पे का सिद्धांत हमारे माननीयों पर भी लागू हो। जो लोग सत्र की बर्बादी को अपनी विजय मान रहे हैं उन्हें यह पता होना चाहिए कि इसका गलत संदेश जनता के बीच गया है। देखा जाये तो सरकार और विपक्ष का तो फायदा हो गया लेकिन जनता ठगी गयी है। सरकार ने हंगामे के बीच अपना विधायी कामकाज निबटा लिया, विपक्ष ने हंगामा करके मीडिया की सुर्खियों में स्थान पा लिया। लेकिन जनता का क्या हुआ? वह तो ठगी गयी है क्योंकि जनता संसद में अपने मुद्दों से जुड़े विषयों पर चर्चा चाहती थी, जनता चाहती थी विपक्ष सरकार से जवाब मांगे, जनता चाहती थी कि सरकार जिन विधेयकों को पारित करा रही है उनसे संबंधित सभी पहलू चर्चा के दौरान उसको अच्छी तरह से समझ आएँ। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया गया। यही नहीं यह भी पहली बार हुआ जब संसद में देश के प्रधानमंत्री अपनी बात नहीं रख पाये। खैर...कहा जा सकता है कि जिन नेताओं को खुशफहमी पालनी है कि उन्होंने संसद का समय और जनता के पैसे की बर्बादी कर बहुत अच्छा काम कर दिया है वह खुशफहमी पाल सकते हैं, यदि वह आम जन के बीच जाकर पता लगाएं तो ज्ञात होगा कि यही भावना प्रबल हो रही है कि विपक्ष ने सेल्फ गोल कर लिया है। इस समय सदन में आचरण को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच जिस तरह का आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल रहा है वह आगामी दिनों में और बढ़ने की संभावना भी स्पष्ट नजर आ रही है।

राजनीति में दाग अच्छे हैं

प्रभुनाथ शुक्ला

राजनीति में सुचिता का सवाल सबसे अहम मसला है। बेदाग छवि के राजनेता और चरित्र की राजनीति वर्तमान दौर में हासिए पर है। टीवी का वह विज्ञापन भारतीय राजनीति पर सटीक बैठता है कि ष्दाग अच्छे हैंष। देश में यह मुद्दा चर्चा का विषय रहा है कि राजनीति का अपराधीकरण क्यों हो रहा है। दागदार और आपराधिक वृत्ति के व्यक्तियों को राजनीतिक दल प्रश्रय क्यों दे रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि राजनीति का अपराधीकरण हुआ है या फिर राजनीति ही अपराधियोंए बाहुबलियों कि हो चली है। जहाँ अब बेदाग चेहरों का कोई मतलब नहीं रहा। क्योंकि एक चरित्रवान व्यक्ति राजनीति की बदबू से खुद को अलग रखना चाहता है। राजनीति में अब जनसेवा की आड़ में जेब सेवा हो रही है। पहले जैसी साफ.सुथरी राजनीति की उम्मीद करना बेइमानी है। कल जिन अपराधियों का सहारा लेकर लोग राजनेता बनते थे आज वहीं अपराधी खुद को सुरक्षित रखने के लिए राजनेता बन गया है। यह बदलती भारतीय राजनीति का नया चेहरा है। लेकिन उम्मीद बाकि है। सुप्रीमकोर्ट ने पूर्व में दिए गए अपने फैसले के अवमाना मामले में हाल में एक अहम फैसला सुनाया है। जिससे यह उम्मीद जगी है कि राजनीति में थोड़ी सुचिता आ सकती हैए लेकिन अभी अदालत को इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बहुत कुछ करना है। लोगों कि रही.सही उम्मीद बस अदालत पर है। सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद राजनीति कितनी पवित्र होगी यह तो वक्त बताएगाए लेकिन देश और समाज के साथ प्रबुद्ध वर्ग में एक संदेश गया है।सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बिहार चुनाव से पूर्व एक फैसला आया था जिसमें कहा गया था कि आपराधिक छवि के उम्मीदवारों का ब्यौरा सार्वजनिक होना चाहिए। इसकी सूचना अखबारों आनी चाहिए। जनता को भी यह मालूम होना चाहिए कि जिस व्यक्ति को वह चुनने जा रहे हैं उसकी पृष्ठभूमि क्या है। उसकी सामाजिक छबि क्या रही है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्हीं याचिकाओं कि अवमानना की सुनवाई करते हुए अदालत सख्तरुख अपनाया है। इस गुनाह के लिए भाजपाए कांग्रेसए माकपाए राकांपा समेत आठ दलों पर पांच से एक लाख का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा बिहार विधानसभा में चुनकर गए आपराधिक नेताओं की सूची सार्वजनिक करने के साथ राजनीतिक दलों को यह भी बताने को कहा है कि आखिर ऐसी क्या मज़बूरी थी जिसकी वजह से उन्होंने आपराधिक छबि वालों को पार्टी से उम्मीदवार बनाया। क्या पूरे बिहार में चरित्रवान यानी बेदाग छबि का उम्मीदवार मिला ही नहींघ् निश्चित रुप से सवीच्च अदालत का फैसला स्वागत योग्य है।सवीच्च अदालत के फैसले पर अगर चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता से काम करता है तो देश में एक नई तरह की राजनीति की शुरुआत होगी। अदालत ने अपराधियों के बारे में खूब प्रचार.प्रसार कर जनता को जागरूक करने को कहा है। इसके लिए मिडिया और अन्य संदेश माध्यमों का भी सहारा लेने की बात कही है। अदालत ने राजनीति के अपराधी करण पर गहरी चिंता भी जाताई है। चिंता जताना लाजमी भी है क्योंकि राजनीति में अब एक आदमी चाहकर भी प्रवेश नहीं कर सकता है। क्योंकि उसके पास न बाहुबल है और न धनबल। अब सत्ता और सरकारों को लोकतंत्र की पवित्रा और सूचिता से कोई सरोकार नहीं है। सत्ता और सियासत का अब सिर्फ एक ही मकशद रह गया है कि चुनावों में सामए दामए दंडए भय और भेद के जरिए अधिक सीट निकाल कर सत्ता हासिल कि जाय। जिसकी वजह से राजनीति में अपराधियों का प्रवेश हो रहा है। क्योंकि एक बेदाग छबि का व्यक्ति यह सब नहीं कर सकता है। तभी तो राजनीति को ष्दाग अच्छे हैंष् वाले व्यक्ति पसंद है। भारतीय संसद कि शोभा बढ़ाने वाले चालू सत्र में यानी 2019 में चुनकर आए 43 फीसदी माननीय दागी छबि के है। जबकि 2004 में यह 24 फीसदी था। लगातार आपराधिक पृष्ठभूमि से लोग संसद पहुंच रहे है। 2009 में यह 30 फीसद हो गया जबकि 2014 में यह संख्या 34 फीसदी तक पहुंच गई।

रामप्पा मंदिर के जरिये भारत की सनातन संस्कृति की चमक फिर विश्व भर में फैली

डॉ. नीलम महेंद्र

रामप्पा मंदिर का विश्व धरोहर बनने का सफर 800 साल लंबा है जो शुरू हुआ था 1213 में जब तेलंगाना के तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव के मन में एक ऐसा शिव मंदिर बनाने की प्रेरणा जागी जो सालों साल उनकी भक्ति का प्रतीक बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहे। भारत ने एक बार फिर विश्व को अपनी ओर आकर्षित ही नहीं किया बल्कि अपनी संस्कृति और कला का लोहा भी मनवाया। तेलंगाना के रामप्पा मंदिर को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया जाना एक तरफ भारत के लिए गौरव का पल था तो विश्व के वैज्ञानिकों के लिए एक अचंभा भी था। दरअसल आज से लगभग 800 साल पहले निर्मित रामप्पा मंदिर सिर्फ एक सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं है बल्कि ज्ञान और विज्ञान से परिपूर्ण भारत के गौरवशाली अतीत का जीवित प्रमाण भी है। यह पत्थरों पर उकेरा हुआ एक महाकाव्य है। वो महाकाव्य जो 800 सालों से लगातार शान से भारत की वास्तुकला और विज्ञान की गाथा गा रहा है। और अब तो इसके सुर विश्व के कोने-कोने को मुग्ध कर रहे हैं।रामप्पा मंदिर का एक मंदिर से विश्व धरोहर बनने का यह सफर लगभग 800 साल लंबा है जो शुरू हुआ था 1213 में जब तेलंगाना के तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव के मन में एक ऐसा शिव मंदिर बनाने की प्रेरणा जागी जो सालों साल उनकी भक्ति का प्रतीक बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहे। यह जिम्मेदारी उन्होंने सौंपी वास्तुकार रामप्पा को। और रामप्पा ने भी अपने राजा को निराश नहीं किया। उन्होंने अपने राजा की इच्छा को ऐसे साकार किया कि राजा को ही मोहित कर लिया। इतना मोहित कि उन्होंने मंदिर का नामकरण रामप्पा के ही नाम से कर दिया। आखिर राजा मोहित होते भी क्यों नहीं, रामप्पा ने राजा के भावों को बेजान पत्थरों पर उकेर कर उन्हें 40 सालों की मेहनत से उसे एक सुमधुर गीत जो बना दिया था। जी हाँ, रामप्पा ने 40 सालों में जो बनाया था वो केवल मंदिर नहीं था, वो विज्ञान का सार था तो कला का भंडार था। यह कलाकृति एक शिव मंदिर है जिसे रुद्रेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। किसी शिल्पकार के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है कि उसके द्वारा बनाया गया मंदिर उसके नाम से जाना जाए। आज भी यह विश्व का शायद इकलौता मंदिर है जो अपने वास्तुकार के नाम पर जाना जाता है। मशहूर खोजकर्ता माकी पोलो ने जब इसे देखा था तो इसे ठमंदिरों की आकाशगंगा का सबसे चमकीला सिताराठ कहा था।दअरसल जब इस मंदिर का अध्ययन किया गया तो वैज्ञानिकों और पुरातत्वेत्ताओं के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि इसका कला पक्ष भारी है या इसका तकनीकी पक्ष। सबसे बड़ा प्रशन यह था कि यह चमत्कार है या विज्ञान की, 17वीं सदी में जब इस इलाके में 7.7 से 8.2 रेक्टर का भीषण भूकंप आया था जिसके कारण इस मंदिर के आसपास की लगभग सभी इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, लेकिन 800 साल पुराना यह मंदिर ज्यों का त्यों बिना नुकसान के कैसे खड़ा रहा? इस रहस्य को जानने के लिए मंदिर से एक पत्थर के टुकड़े को काट कर जब उसकी जाँच की गई तो पत्थर की यह विशेषता सामने आई कि वो पानी में तैरता है! राम सेतु के अलावा पूरे विश्व में आजतक कहीं ऐसे पत्थर नहीं पाए गए हैं जो पानी में तैरते हों। यह अभी भी रहस्य है कि ये पत्थर कहाँ से आए क्या रामप्पा ने स्वयं इन्हें बनाया था? आज से 800 साल पहले रामप्पा के पास वो कौन-सी तकनीक थी जो हमारे लिए 21वीं सदी में भी अजूबा है?आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इस मंदिर को उसका यह स्वरूप देने से पहले रामप्पा ने ऐसा ही एक छोटा-सा मंदिर बनाया था जिसे हम आज के दौर में प्रेजेंटेशन मॉडल कहते हैं। इसके बाद ही रामप्पा ने इस रूद्रेश्वर मंदिर का निर्माण किया। छह फुट ऊँचे सितारे के आकार के प्लेटफार्म पर बनाए गए 1000 पिलर वाले इस मंदिर की नींव सैंडस्टोन तकनीक से भरी गई थी जो भूकम्प के दौरान धरती के कम्पन की तीव्रता को कम करके इसकी रक्षा करती है। इसके अलावा मंदिर की मूर्तियों और छत के अंदर बेसाल्ट पत्थर प्रयोग किए गए हैं। अब यह वाकई में आश्चर्यजनक है कि वो पत्थर जिसे डायमंड इलेक्ट्रॉनिक मशीन से ही काटा जा सकता है वो भी केवल एक इंच प्रति घंटे की दर से! कल्पना कीजिए आज से 800 साल पहले भारत के पास केवल ऐसी तकनीक ही नहीं थी बल्कि कला भी बेजोड़ थी! इस मंदिर की छत पर ही नहीं बल्कि पिलरों पर भी इतनी बारीक कारीगरी की गई है कि जो आज के समय में भी मुश्किल प्रतीत हो रही है क्योंकि उन पत्थरों पर उकेरी गई कलाकृतियों की कटाई और चमक देखते ही बनती है। कला की बारीकी की इससे बेहतर और क्या मिसाल हो सकती है कि मूर्ति पर उसके द्वारा पहने गए आभूषण की छाया तक उकेरी गई है। आज 800 सालों बाद भी इन मूर्तियों की चमक सुरक्षित है। इससे भी बड़ी बात यह है कि पत्थरों की यह मूर्तियाँ थ्री डी हैं। शिव जी के इस मंदिर में जो नन्दी की मूर्ति है वह खड़ी मूर्ति है जो इस प्रकार से बनाई गई है कि ऐसा लगता है कि नन्दी बस चलने ही वाला है। इतना ही नहीं इस मूर्ति में नन्दी की आंखें ऐसी हैं कि आप किसी भी दिशा से उसे देखें आपको लगेगा कि वो आपको ही देख रहा है। मंदिर की छत पर शिवजी की कहानियां उकेरी गई हैं तो दीवारों पर रामायण और महाभारत की। मंदिर में मौजूद शिवलिंग के तो कहने ही क्या! वो अंधेरे में भी चमकता है। आज एक बार फिर भारत की सनातन संस्कृति की चमक विश्व भर में फैल रही है।

सलमान खान से मुलाकात के बाद सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने कहा, ये सपने सच होने जैसा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के साथ एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर की। उन्होंने मीराबाई चानू के साथ मुलाकात की तस्वीर शेयर की। सलमान ने सोशल मीडिया पर मीराबाई चानू संग तस्वीर शेयर करते हुए लिखा,सिल्वर मेडल विजेता के लिए शुभकामनाएं, मीराबाई चानू आपसे प्यारी मुलाकात, हमेशा शुभकामनाएं! सलमान खान इस फोटो में काले रंग की टी-शर्ट पहने हुए हैं और उनके गले में स्कार्फ पहन रखा है। मीराबाई ने सलमान खान के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा,बहुत बहुत धन्यवाद सलमान सर। मैं आपकी बहुत बड़ा फैन हूं और यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा था। गौरतलब है कि इससे पहले एक इंटरव्यू में मीराबाई ने बताया था कि वह सलमान खान की फैन हैं। मीराबाई मुंबई में हैं और उन्होंने बुधवार को क्रिकेट स्टार सचिन तेंदुलकर से भी मुलाकात की। गौरतलब है कि 26 साल की मीराबाई ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में महिलाओं की 49 किग्रा कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में भारत को पहला मेडल दिलाया था। इसके बाद भारत ने 6 और मेडल जीते।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह इस साल 29 अगस्त को नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता है। लेकिन इस बार इस तारीख को इसका आयोजन नहीं होगा। देश में प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को आयोजित होने वाला राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह इस साल देर से कराया जाएगा क्योंकि सरकार चाहती है कि चयन पैनल टोक्यो पैरालंपिक में भाग लेने वाले पैरा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी इनमें शामिल करे। पैरालंपिक खेलों का आयोजन टोक्यो में 24 अगस्त से पांच सितंबर तक होगा। राष्ट्रीय पुरस्कार-खेल रतन पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार-हर साल देश के राष्ट्रपति द्वारा 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर दिए जाते हैं जो महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती भी है।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पुरस्कार विजेताओं को चुनने के लिए चयन पैनल गठित कर लिया गया है, लेकिन चयन प्रक्रिया में आगे बढ़ने से पहले वे कुछ और समय इंतजार करना चाहेंगे। ठाकुर ने राष्ट्रीय युवा पुरस्कार समारोह के दौरान कहा, इस साल के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समिति गठित कर दी गई है, लेकिन पैरालंपिक का आयोजन किया जाना है इसलिए हम पैरालंपिक के विजेताओं को भी इसमें शामिल करना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

मंत्रालय के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, पिछली बार की तरह इस साल भी पुरस्कार समारोह वर्चुअल कराए जा सकते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया दो बार बढ़ाए जाने के बाद पांच जुलाई को समाप्त हुई थी। महामारी को देखते हुए आवेदन करने वाले खिलाड़ियों को ऑनलाइन खुद ही नामांकित करने की अनुमति थी, लेकिन राष्ट्रीय महासंघों ने भी अपने चुने हुए खिलाड़ी भेजे। भारतीय दल ने हाल में समाप्त हुए टोक्यो ओलंपिक में अपना बेस्ट प्रदर्शन किया जिसमें देश के खिलाड़ियों ने एक गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज सहित कुल सात पदक जीते। भारत टोक्यो में 54 पैरा एथलीटों का सबसे बड़ा दल भेज रहा है। पिछले पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ी दो गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज सहित चार मेडल लेकर लौटे थे। देश के सबसे बड़े खेल सम्मान खेल रतन को हाल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर किया गया जो पहले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर था। पिछले वर्ष खेल पुरस्कारों की पुरस्कार राशि में काफी वृद्धि की गई थी। खेल रतन में अब 25 लाख रूपये का पुरस्कार मिलता है जो पहले के साढ़े सात लाख से काफी ज्यादा है। अर्जुन पुरस्कार की पुरस्कार राशि पांच लाख से बढ़ाकर 15 लाख रूपये कर दी गई। पहले द्रोणाचार्य (लाइफटाइम) पुरस्कार हासिल करने वालों को पांच लाख रूपये दिए जाते थे जिन्हें बढ़ाकर 15 लाख रूपये कर दिया गया। द्रोणाचार्य (नियमित) पुरस्कार हासिल करने वाले प्रत्येक कोच को पांच लाख के बजाय 10 लाख रूपए मिलते हैं।

भारत ने टेस्ट में 10 साल बाद फिर हासिल की यह उपलब्धि, रोहित-राहुल की जोड़ी ने किया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच गुरुवार से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। रोहित शर्मा और केएल राहुल भारत की तरफ से क्रीज पर हैं। भारत ने 33 ओवर बाद बिना किसी नुकसान के 100 रन पूरे कर लिए हैं। स्कोर बोर्ड पर 100 रन लगते ही टीम इंडिया ने 10 साल बाद टेस्ट में एक बार फिर से एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। भारत की ओपनिंग जोड़ी ने जनवरी 2011 के बाद से पहली बार एशिया के बाहर पहले विकेट के लिए 100 या उससे ज्यादा रन की पार्टनरशिप की है। भारत ने 33 ओवर में अपने 100 रन पूरे कर लिए है। टीम इंडिया ने जिस समय 100 पूरे किए, उस समय रोहित शर्मा 75 और केएल राहुल 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले, वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर की सलामी जोड़ी ने एशिया के बाहर दिसंबर 2010 में सेंचुरियन साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले विकेट के लिए 100 या उससे ज्यादा की पार्टनरशिप की थी। उस मैच में गंभीर ने शतक लगाया था। गंभीर ने 137 रनों की शतकीय पारी खेली थी। मैच को देखने के लिए पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली भी लॉर्ड्स पहुंचे हुए है। गांगुली को लॉर्ड्स में देख फैन्स को एक बार फिर से 2002 का नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल याद आ गया, जब गांगुली ने इसी ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद अपनी टी शर्ट उतारकर उसे हवा में लहराना शुरू कर दिया था। मैच के दौरान गांगुली इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ज्योफ्रे बॉयकॉट के साथ दर्शक स्टैंड में बैठे हुए है। इस दौरान दोनों दिग्गज एक-दूसरे से बातें भी कर रहे हैं। ये वही बॉयकाट हैं, जिन्होंने गांगुली को प्रिंस ऑफ कलकत्ता का नाम दिया था। ज्योफ्रे बॉयकॉट के अलावा बीसीसीआई सचिव जय शाह, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सीईओ टॉम हेरिसन भी मौजूद हैं।

एंडरसन के नाम हुआ एक और रिकॉर्ड, ऐसा कारनामा करने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 35000 से अधिक गेंद करने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज और कुल चौथे गेंदबाज बन गए हैं। एंडरसन भारत और इंग्लैंड के बीच लार्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दौरान इस मुकाम पर पहुंचे। एंडरसन से पहले तीन स्पिनरों श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (44,039 गेंदें), भारत के अनिल कुंबले (40,850) और आस्ट्रेलिया के शेन वार्न (40,705) ने यह उपलब्धि हासिल की थी। तेज गेंदबाजों में उनके बाद वेस्टइंडीज के कर्टनी वाल्श (30,019 गेंदें), इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (29,863) और आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा (29,248) का नंबर आता है।

ब्रॉड चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज से बाहर हो गए हैं। अपना 164वां टेस्ट मैच खेल रहे एंडरसन ने अभी तक 621 विकेट लिए हैं। वह सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों में मुरलीधरन (800) और वार्न (708) के बाद तीसरे नंबर पर हैं। लॉर्ड्स टेस्ट पहले दिन भारत ने खबर लिखे जाने तक बिना किसी नुकसान के 82 रन बना लिए हैं। रोहित शर्मा ने फिफ्टी जड़ दी है। केएल राहुल के साथ वो क्रीज पर डटे हुए हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में टॉस हारते ही विराट कोहली के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच आज से से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जा रहा है। भारत के कप्तान विराट कोहली गुरुवार को फिर से टॉस हारे। इसी के साथ उनके नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया है। वो इंग्लैंड में खेले गए टेस्ट मैचों में सबसे अधिक बार टॉस हारने वाले कप्तान बन गए हैं। वो इंग्लैंड में 8 बार टेस्ट मैच में टॉस हारे हैं। इसमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्लूटीसी फाइनल में वो टॉस हारे थे। विराट कोहली 2018 में जब पहली बार बतौर कप्तान इंग्लैंड गए थे तो वह पांचों टेस्ट मैच में टॉस हारे थे। विराट कोहली ने अभी तक इंग्लैंड में 8 बार कप्तानी की है और हर बार टॉस हारे हैं। मौजूदा पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरूआती दोनों टेस्ट मैच में भी कोहली टॉस हारे हैं। कोहली की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ कुल 16 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें वह 14 बार टॉस हारे हैं। कोहली सिर्फ 2 बार टॉस जीते हैं। दोनों टीमों के बीच नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया था। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट से पहले इग्लैण्ड के स्लिप कॉर्डन में प्रैक्टिस करते दिखे ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के साथ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच यह टेस्ट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। इस मैच के शुरू? होने से पहले भारतीय विकेटकीपर बल्ले.बाज ऋषभ पंत ने विरोधी टीम के साथ मिलकर ऐसा काम किया, जिसकी सोशल मीडिया काफी वाह वाही हो रही है। मैच के शुरू होने से पहले दोनों टीमें प्रैक्टिस कर रही थी और उसके खिलाड़ी भी प्रैक्टिस में लगे हुए थे। इस बीच, अपनी विकेटकीपिंग स्किल्स में सुधार लाने के लिए पंत ने विपक्षी टीम के साथ मिलकर प्रैक्टिस करना शुरू कर दिया। पंत को इंग्लैंड के स्लिप कॉर्डन में प्रैक्टिस करते देख उनका यह फोटो काफी वायरल हो रहा है। फोटो में पंत स्लिप कॉर्डन में कैचिंग की प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं।

ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टेस्ट में उनके प्रदर्शन के बाद पंत के विकेटकीपिंग स्किल्स की बहुत सराहना की गई थी। पंत ने जिस तरह से ग्लव्स पकड़े और स्विंग जैसी स्थिति में अपना काम किया, उसे देखकर दुनिया के कुछ बड़े नामों ने उनकी काफी तारीफ की थी। पूर्व विकेटकीपर सबा करीम ने पहले टेस्ट में पंत की विकेटकीपिंग को मेजबान टीम के विकेटकीपर जोस बटलर से भी बेहतर बताया था।

लॉर्ड्स टेस्ट को देखने के लिए पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली भी मैदान पहुंचे हुए हैं। गांगुली को लॉर्ड्स में देख फैन्स को एक बार फिर से 2002 का नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल याद आ गया, जब गांगुली ने इसी ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद अपनी टी शर्ट उतारकर उसे हवा में लहराना शुरू कर दिया था। अपने इस एक्शन को लेकर बंगाल टाइगर गांगुली काफी फेमस हुए थे। भारत ने दूसरे टेस्ट में एक बार फिर से आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को नजर अंदाज कर दिया है। कोहली इस साल टेस्ट में सात में से छह टेस्ट हार चुके हैं। इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड भी नहीं खेल रहे हैं। ब्रॉड चोटिल हैं।

श्रीलंका दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीकी टी20 स्क्वायड का ऐलान, डुप्लेसी, मोरिस और ताहिर तीनो आउटं

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका ने टीम का ऐलान कर दिया है। साउथ अफ्रीका इस साल सितंबर में श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरे में साउथ अफ्रीका तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। टेंबा बावुमा को वनडे और टी20 सीरीज में कप्तान बनाया गया है। तेज गेंदबाज जूनियर डाला की वनडे टीम में वापसी हुई है। ड्वेन प्रिटोरियस की वनडे और टी20 में वापसी हुई है। फाफ डु प्लेसिस, क्रिस मॉरिस और इमरान ताहिर को टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। क्विंटन डिकॉक को वनडे टीम में जगह नहीं दी गई है। लुंगी एनगिडी को निजी कारणों से वनडे टीम का हिस्सा नहीं होंगे। चोटिल डेविड मिलर को टी20 टीम में जगह मिली है। उनकी फिटनेस को देखते हुए उन्हें खिलाने पर फैसला लिया जाएगा। तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत 2 सितंबर से होगी। वहीं तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत 10 सितंबर से होगी। सभी मुकाबले कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। टेंबा बावुमा(कप्तान), डाला, बेउरन हेंड्रिक्स, आर हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, क्लासेन ,जे मलान, महाराज, ,एडेन मार्करम , वियान मुल्डर, एनरिक नॉर्ट्जे, एंडिले फेहलुकवाओ, ड्वेन प्रिटोरियस,कैगिसो रबाडा, रैसी वान डेर डुसेन, काइल वेरेने, तबरेज शम्सी, लिजाद टेंबा बावुमा(कप्तान), क्विंटन डिकॉक,बीजोर्न फॉर्च्यून, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासीन, जॉर्ज लिंडे, बेउरन हेंड्रिक्स, केशव महाराज,सिसंडा मगला, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एंगीडी, एनरिक नॉर्ट्जे, , ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, रैसी वान डेर डुसेन, तबरेज शम्सी, लिजाद विलियम्स।

केविन पीटरसन ने इंग्लैंड के बल्लेबाज की लगाई क्लास, कहा- अपना टैलेंट मत बर्बाद करो और विराट कोहली से कुछ सीखो

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के ओपनर टॉम बेंटन ने एक विस्फोटक बल्लेबाज के रूप में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत की थी। जब वह इंग्लैंड के लिमिटेड ओवरों के क्रिकेट में आए थे तब भी उन्होंने अपनी निडर बल्लेबाजी के अलावा पॉजिटिव क्रिकेट से फैन्स का ध्यान अपनी ओर खिंचा था। इंग्लैंड में इस समय भारत के साथ जारी टेस्ट क्रिकेट के अलावा द हंड्रेड टूर्नामेंट भी खेला जा रहा है और बेंटन क्रिकेट के इस नए और अनोखे टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। द हंड्रेड टूर्नामेंट में बेंटन वेल्श फायर के लिए खेल रहे हैं। हालांकि बेंटन के द हंड्रेड में जारी प्रदर्शन से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन खुश नहीं दिखाई दे रहे हैं। पीटरसन ने कहा है कि बेंटन अच्छी शुरुआत के बाद खराब शॉट खेल अपने विकेट गंवा रहे हैं और ऐसे में उन्हें भारतीय कप्तान विराट कोहली से कुछ सीखना चाहिए।

पीटरसन का कहना है कि बेंटन तेजी से 30 के आसपास रन बनाते हैं और फिर वह खराब शॉट खेलकर तोहफे में अपना विकेट दे देते हैं। 22 साल के बेंटन ने द हंड्रेड में पिछली पांच पारियों में केवल 36, 0, 5, 2, और 15 रन ही बनाए हैं। पीटरसन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, उनमें बहुत टैलेंट है। लेकिन इस समय वह अपने टैलेंट को बर्बाद कर रहे हैं। वह काफी गेंदों को हवा में खेलते हैं। उन्हें जमीन के सहारे गेंद को खेलने की जरूरत है। उन्हें एक्स्ट्रा कवर पर और मिड विकेट पर तेजी से शॉट खेलना होगा। आपको पता होना चाहिए की फील्डरों के बीच गैप कहां हैं।

पीटरसन ने बेंटन से कहा है कि उन्हें विराट कोहली और डेविड वॉर्नर जैसे बल्लेबाजों से सीखना चाहिए। पूर्व कप्तान का मानना है कि बेंटन अपनी टैलेंट का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आपको वर्ल्ड में बेस्ट प्लेयर्स को देखना होता है। कितनी बार वो सोचते हैं कि मुझे हवा में शॉट खेलना है, और छक्का मारना चाहिए। विराट कोहली और डेविड वॉर्नर उन बल्लेबाजों को देखिए जो अपनी पारी की शुरुआत में वह एक्स्ट्रा कवर पर ग्राउंड के सहारे बाउंड्री बटोरते हैं। आप कितनी बार देखते हैं कि कोहली अपनी पारी की शुरुआत में छक्का मारते हैं? बेंटन को उनसे सीखने की जरूरत है और गेंद को नीचे जमीन पर रखने की जरूरत है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की वेबसाइट पर बांग्लादेश के जश्न का वीडियो देखकर नाराज हुए जस्टिन लैंगर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोट जस्टिन लैंगर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की वेबसाइट पर पोस्ट एक वीडियो को लेकर कथित तौर पर बोर्ड के स्टाफ से बहस की। इस वीडियो में पिछले हफ्ते बांग्लादेश के खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार सीरीज जीतने का जश्न मनाते हुए दिखाया गया है। द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार लैंगर और ऑस्ट्रेलिया के टीम मैनेजर गेविन डोवी क्रिकेट.कॉम.एयू वेबसाइट पर वीडियो को लेकर चर्चा करते हुए दिखे। यह चर्चा हाल में संपन्न पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच के बाद हुई जिसे बांग्लादेश ने जीतकर 3-0 की बढ़त बनाई। मेजबान बांग्लादेश ने पांच मैचों की टी20 इंटनेशनल सीरीज 4-1 से जीती। यह मामला शुरुआत में डोवी ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के डिजिटल स्टाफ के साथ उठाया लेकिन जब वह नहीं माना तो मामला बढ़ गया जिसके बाद लैंगर ने स्टाफ के सदस्य को फटकार लगाई। रिपोर्ट के अनुसार, डोवी ने कहा कि बांग्लादेश टीम के गीत को सीए द्वारा संचालित वेबसाइट पर पोस्ट करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, इस घटना को कम से कम एक दर्जन लोगों ने देखा और कुछ खिलाड़ी इससे असहज थे।लैंगर ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन डोवी ने कहा, स्वस्थ टीम माहौल में ईमानदार और स्पष्ट चर्चा भी शामिल है, फिर चाहे यह खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ या टीम माहौल से जुड़े अन्य के बीच हो जैसा कि इस मामले में हुआ।

सचिन तेंदुलकर ने दी स्विंग गेंदबाजी को फेस करने की क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की कंडिशंस में दुनिया भर के बल्लेबाजों को स्विंग गेंदबाजी खासा परेशान करती है। मौसम का साथ मिलने पर यहां पर तेज गेंदबाज और भी खतरनाक साबित होते हैं। 12 अगस्त से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया के बल्लेबाजों को भी इस परीक्षा से गुजरना है। लॉर्ड्स का मैदान तेज गेंदबाजों के लिए स्वर्ग माना जाता है और यहां पर गेंद हवा में काफी हरकत करती है। ऐसे में स्विंग गेंदबाजी के खिलाफ किस तरह से बल्लेबाजी की जाने चाहिए और क्रीज के बाहर खड़े होकर क्या इसका तोड़ निकाला जा सकता है। इस पर भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक बातचीत के दौरान सचिन ने बताया, हां, यह काम करता है। आमतौर पर आप क्या करते हैं कि आप बॉलर को जानने देते हैं कि आप क्रीज के बाहर खड़े हैं। तो गेंदबाज को अपनी बॉल का रिलिजिंग पॉइंट चेंज करना पड़ता है। जो गेंदबाज गेंद को आगे पिच कर रहा था उसका अपनी लेंथ पीछे खींचनी पड़ती है। अगर कोई शॉर्ट बॉलिंग कर रहा है तो आप क्रीज के अंदर खड़े रह सकते हैं। लेकिन क्रीज के बाहर खड़े रहने बुरा आइडिया नहीं है। कभी-कभी आप सोचते हैं कि यह अच्छी लीव थी, लेकिन आपके और स्टंप के बीच में दूरी बढ़ जाने की वजह से गेंद को टाइम रहता है कि वह आकर स्टंप पर लग जाए। अगर आप क्रीज के बाहर खड़े रहते हैं तो आपको मिडिल स्टंप का गार्ड लेना चाहिए, ना की लेग-स्टंप का। जितना ज्यादा आप क्रीज के बाहर रहेंगे उतना ही आप ऑफ स्टंप की तरफ आगे जाएंगे। इसकी मदद से आप बॉल को बेहतर तरीके से जज कर पाएंगे।सचिन ने बताया कि वह अपने करियर के दिनों में मैच से पहले ढ़ग से सो नहीं पाते थे। उन्होंने कहा, अगर आप किसी चीज की केयर करते हैं, तो आपके अंदर उसको लेकर बेचैनी आती ही है। यह सिर्फ इसलिए था कि मुझे क्रिकेट से बहुत प्यार था और मैं जब भी मैदान पर जाता था, तो अच्छा करना चाहता था। मैं कहूंगा कि करियर के शुरुआती 12 साल मैं मैच से पहले ढंग से सो नहीं पाता था। मैं लगातार इस बात को सोचता रहता था कि कैसे गेंदबाज का सामना करूंगा, वह कैसी गेंदबाजी करेगा, मेरे पास क्या-क्या ऑप्शन है? मैं लगातार यही सोचता रहता था और नींद से जंग चलती रहती थी। मैं जब इससे निपट नहीं पाया, तो मैंने इसको स्वीकार करना शुरू कर दिया। मैंने मान लिया कि इस तरह ही मेरा शरीर और दिमाग मैच के लिए तैयार होते हैं। यह ठीक है और मुझे इससे लड़ने की जरूरत नहीं है।

महिला मार्शल को पीटा, चेयर पर कातिलाना हमला, हंगामे को लेकर विपक्ष पर बरसे मोदी सरकार के 7 मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में लगातार कई दिनों तक हुए हंगामे की लड़ाई अब सड़क पर आ गई है। एक तरफ विपक्षी दलों ने मार्च निकाला तो वहीं केंद्र सरकार के 7 मंत्रियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष पर हमला बोला है। राज्यसभा के नेता सदन पीयूष गोयल ने कहा कि हम बेहद दुख के साथ यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सांसदों ने मंत्री के हाथों से जब पर्चे छीन लिए और उन्हें सस्पेंड किया गया तो हमारा कहना था कि आप माफी मांग लो। इस पर भी उन्होंने माफी से इनकार कर दिया। पीयूष गोयल ने कहा, विपक्ष के सांसदों ने बेंचों पर खड़े होकर हंगामा किया। यही नहीं एक सांसद ने तो रूल बुक ही चेयर पर फेंक दी थी। यदि उस समय कोई चेयर पर होता तो कुछ भी हो सकता था। नीचे सेक्रेटरी जनरल बैठते हैं, उन पर भी लग सकती थी। इससे न सिर्फ कोई घायल होता बल्कि कुछ भी हो सकता था। यह एक तरह का कातिलाना हमला था।उन्होंने कहा कि 6 सांसद कांच तोड़कर जबरन सदन में घुसे थे। पीयूष गोयल ने कहा कि विपक्ष के सांसदों ने एक महिला मार्शल पर भी हमला कर दिया। हम पूरे विपक्ष की निंदा करते हैं कि उनकी मंशा सदन की गरिमा गिराने की रही है। उनकी मंशा थी

कि सदन को चलने न दिया जाए। अब विपक्ष नाटक कर रहा है और उलटे प्रदर्शन कर रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि हमने जब 9 तारीख को हुए हंगामे और उपद्रव पर चिंता जाहिर की तो उन्होंने कहा कि अब इससे भी बड़ा कुछ होगा। गोयल से पहले विपक्ष पर बरसते हुए संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि मॉनसून सेशन के पहले दिन से ही विपक्ष का बर्ताव सही नहीं था। वे संसद को चलने नहीं देना चाहते थे और इस बात का पूरा खुलासा टीएमसी और कांग्रेस के सांसदों ने कर दिया। इससे सेशन पूरी तरह से धुल गया। जोशी ने कहा कि विपक्ष की ओर से नए मंत्रियों का परिचय तक नहीं कराने दिया गया। हमारी ओर से विपक्ष से कई बार निवेदन किया गया, लेकिन वे नहीं माने। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस तरह से उपद्रव करने के बाद भी उन्हें अच्छा लग रहा है और उन्हें लगता है कि जैसे किसी स्वतंत्रता सेनानी जैसा काम उन्होंने किया है।उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष के सांसदों ने शीशा तोड़ने की भी कोशिश की। इससे पता चलता है कि आखिर उनकी सोच क्या है। हम चेयरमैन से उपद्रव करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग करते है। जोशी ने कहा कि हम विपक्ष की बात को सुनने के लिए तैयार रहे हैं और सोमवार तक सदन चलाने को भी तत्पर थे। लेकिन उनके बर्ताव के चलते ऐसा नहीं हो सका। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी माफी की मांग की। उनसे पहले अनुराग ठाकुर ने कहा कि आम लोग संसद में अपने मुद्दों को उठाए जाने का इंतजार ही करते रहे। लेकिन संसद में अराजकता ही जारी रही। उन्होंने आम लोगों की और करदाताओं के पैसे की कोई चिंता नहीं है। जो कुछ भी हुआ, वह निंदाजनक है। उन्हें मगरमच्छ के आंसू बहाने की बजाय देश से माफी मांगनी चाहिए।

इससे पहले बुधवार को बीजेपी के कई नेताओं ने राज्यसभा के चेयरमैन वेंकैया नायडू से मिले थे। इसके अलावा गुरुवार सुबह एनसीपी चीफ शरद पवार और शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी उपराष्ट्रपति से मुलाकात की थी। उनके अलावा कई और विपक्षी नेताओं ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की थी। राज्यसभा में मंगलवार और बुधवार को जमकर हिंसा हुई थी और सांसद आपस में झड़प करते दिखे। इस संबंध में एक वीडियो भी राज्यसभा की ओर से जारी किया गया है। इस उपद्रव को लेकर जहां सरकार ने विपक्ष पर हमला बोला है तो वहीं विपक्ष का कहना है कि सरकार की ओर से जरूरी मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया और अब मुद्दे से भटकाया जा रहा है।

अफगानिस्तान से खुद निकलें भारतीय, सरकार की ओर से नहीं है कोई व्यवस्थाः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में बिगड़ते हालत के बीच भारत अपने नागरिकों को वहां से निकल जाने की सलाह दे चुका है। विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को बताया गया कि नागरिकों को कमर्शल साधनों से से खुद निकलने को कहा गया है। सरकार की ओर से निकासी की कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम घटनाक्रम पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।

हम सुरक्षा के बिगड़ते हालात को लेकर चिंतित हैं। काबुल में हमारे मिशन ने भारतीय नागरिकों के लिए अडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें कमर्शल फ्लाइट्स से भारत लौटने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि मजार-ए-शरीफ के कांसुलेट से सभी भारतीय अधिकारियों को बुला लिया गया है। हालांकि, यह अस्थायी व्यवस्था है और स्थानीय स्टाफ के जरिए कांसुलेट काम करता रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, यह चिंता की बात है। तेजी से हालात बदल रहे हैं। हम आशा करते हैं कि तत्काल और व्यापक युद्धविराम होगा। हम अफगानिस्तान में शांति के लिए की जा रही पहलों का समर्थन करते हैं। प्राथमिक चिंता देश में शांति और स्थिरता है।

तालिबान को लेकर चर्चा के सवाल पर उन्होंने कहा, हम सभी हितधारकों के साथ संपर्क में हैं, कई हितधारक हैं। मैं इससे आगे कुछ नहीं कहना चाहूंगा। प्रवक्ता ने आगे यह भी कहा कि पिछले साल काबुल में स्थित दूतावास ने हिंदू और सिख समुदाय के 383 सदस्यों को अफगानिस्तान से भारत आने में मदद की। उन्होंने कहा, काबुल में हमारा मिशन अफगान हिंदू और सिखों के साथ संपर्क में है और हम हर जरूरी सहायता सुनिश्चित करेंगे।

तीसरी लहर से निपटने को तैयार है देश, सर्वे में ज्यादातर भारतीयों ने जताई राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस की तीसरी लहर को लेकर एक सर्वे सामने आया है जिसमें बताया गया है कि ज्यादातर भारतीय इस खतरे से निपटने के लिए तैयार हैं। लोकलसर्किल ने गुरुवार को कहा कि इस सर्वे में शामिल 58 फीसदी नागरिकों को विश्वास है कि भारत कोरोना वायरस की तीसरी लहर से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दरअसल अगस्त से दिसंबर 2021 के बीच कोरोना वायरस की संभावित तीसरी लहर की तैयारियों को लेकर सामुदायिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकलसर्किल की ओर से एक सर्वे किया गया जिसमें 8880 प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस सर्वे में कम से कम 26 फीसदी लोगों ने कहा कि वे अत्यधिक आश्वस्त हैं। लगभग 32 प्रतिशत ने कहा कि वे कुछ हद तक आश्वस्त हैं और 25 फीसदी ने बहुत कम का जवाब दिया। सर्वे में लगभग 13 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी भरोसा नहीं है जबकि 4 प्रतिशत लोगों ने ना में जवाब दिया। लोकलसर्किल ने एक बयान में कहा कि कुल मिलाकर 58 फीसदी नागरिकों को विश्वास है कि आने वाले महीनों में भारत कोरोना वायरस की तीसरी लहर को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान केवल 41 प्रतिशत लोगों ने प्रभावी ढंग से संभालने की भारत की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया था।

सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप

डॉयचे वेले, नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार और विपक्ष के बीच संसद की कार्यवाही को लेकर घमासान छिड़ी हुई है. सरकार का कहना है कि विपक्ष ने संसद का काम बाधित किया है, जबकि विपक्ष सरकार पर उसकी आवाज को दबाने का आरोप लगा रहा है.सरकार और विपक्ष के बीच लगातार बने रहे गतिरोध के बीच मॉनसून सत्र को समय से पहले समाप्त कर दिया गया है. हालांकि दोनों पक्षों के बीच झगड़ा अभी भी जारी है. दोनों सदनों में गतिरोध की वजह से संसद का समय नष्ट होने की खबरों के बीच विपक्ष ने आरोप लगाया है कि सरकार उसकी आवाज को दबा रही है. विपक्षी पार्टियां विशेष रूप से 11 अगस्त को हुई राज्य सभा की कार्यवाही को लेकर उत्तेजित हैं. उनका आरोप है कि आम बीमा व्यापार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक को सेलेक्ट समिति में भेजने की विपक्ष की मांग को सरकार ने अनदेखा कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिल को जबरन पारित करवाने के लिए सदन में बड़ी संख्या में ना सिर्फ संसदीय सुरक्षाकर्मी बल्कि सुरक्षा

सेवा से ठबाहर के लोगोंठ को भी तैनात कर दिया गया. सदन में मार्शल इन कमिऱ्यों की एक तस्वीर शिव सेना के सांसद संजय राउत ने ट्वीट की. विपक्ष के कई सांसदों ने आरोप लगाया है कि इन मार्शलों ने महिला सांसदों के साथ भी धक्का मुक्की की. एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि उन्होंने 55 सालों के अपने संसदीय करियर में इस तरह सांसदों और विशेष रूप से महिला सांसदों पर हमला होते हुए नहीं देखा. तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने एक तस्वीर ट्वीट कर बताया कि पुरुष सांसदों के आगे राज्य सभा के महिला कर्मचारियों और महिला सांसदों के आगे पुरुष मार्शलों को तैनात कर दिया गया था. इसके ठीक उलट सरकार ने आरोप लगाया है कि विपक्ष के सांसदों ने सुरक्षाकमिऱ्यों के साथ धक्का मुक्की और मारपीट की। 12 अगस्त की सुबह इन घटनाओं के विरोध में विपक्षी पाटिऱ्यों ने संसद के बाहर विरोध यात्रा भी निकाली. पीठासीन अधिकारियों की भूमिका इसी बीच दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने इस सत्र के दौरान संसद में देखे गए दृश्यों पर खेद प्रकट किया. राज्य सभा अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने कहा कि सांसदों का सदन के टेबल पर खड़े हो जाना ठलोकतंत्र के मंदिरठ का ठअपवित्रीकरणठ था. लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि बार बार सदन की कार्रवाई बाधित होने से करदाताओं के करोड़ों रुपयों का नुकसान होता है. उन्होंने यह भी कहा कि इससे निपटने के लिए संसद के नियमों को बदलने की आवश्यकता है. हालांकि विपक्ष ने पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाया है।

राज्यसभा के चेयरमैन और लोकसभा स्पीकर की मुलाकात, हंगामा करने वाले सांसदों पर होगा ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र जहां हंगामे की भेंट चढ़ गया तो राज्यसभा में आखिरी दो दिनों में जिस तरह की घटनाएं हुईं, उसको लेकर सत्ता और विपक्ष एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ने में जुटा है। इस बीच गुरुवार शाम उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के चेयरमैन एम वेंकैया नायडू और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मुलाकात की और सदन में हुई घटनाओं पर विचार-विमर्श किया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ने सदन की गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाले सांसदों के खिलाफ सख्त कदम उठाने पर सहमति जाहिर की है।

जलवायु खतरों को न्यूनतम करने के लिए देश को तत्काल कदम उठाने की जरूरत-आईपीसीसी वैज्ञानिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटर गवर्मेंटल पैनल आन क्लाईमेट चेंज (आईपीसीसी) से जुड़े वैज्ञानिक एवं इंडियन स्कूल आफ बिजनेस के अनुसंधान निदेशक डा. अंजल प्रकाश ने कहा कि भारत को जलवायु खतरों से निपटने, उनके अनुकूल ढलने तथा उनके प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे। हाल में आईपीसीसी की रिपोर्ट में तापमान बढ़ोत्तरी को लेकर विश्व के साथ-साथ भारत के संदर्भ में भी गंभीर खतरों की ओर आगाह किया गया है। रिपोर्ट जारी होने के बाद एक बयान में डा. प्रकाश ने कहा कि जलवायु खतरों के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए भारत को अनुकूलन और न्यूनीकरण के प्रयासों पर एक साथ ध्यान देने की जरूरत है। इस वक्त जलवायु संबंधी जोखिमों से बचने के लिए भारत मौसम संबंधी पूर्वानुमान पर निर्भर करता है और प्रभावित क्षेत्रों से ज्यादा से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रणाली को अपनाता है। राहत और बचाव कार्य तो मौसम संबंधी आपदाओं के होने के बाद का मामला है लेकिन लोगों को हालात के मुताबिक ढालने के लिए अभी बहुत सा काम किया जाना बाकी है।

उन्होंने कहा कि प्रभावी कदम उठाने के लिए अन्य क्षेत्रों के साथ

तालमेल बैठाना जरूरी है। इनमें मूलभूत ढांचा, ऊर्जा, सिंचाई, जल संसाधन ग्रामीण विकास, नगर विकास और महिला एवं बाल विकास इत्यादि क्षेत्र शामिल हैं। भारत जैसे देश के आकार और उसकी आबादी को देखते हुए यह काम बहुत जटिल है दीर्घकालिक समाधानों की बात करें तो इसमें शहरों की योजना का फिर से खाका खींच कर या उसे फिर से बना कर उन्हें जलवायु के प्रति सतत बनाया जा सकता है। नगरीय तथा ग्रामीण इलाकों में झीलों और तालाबों का पुनरुद्धार करके प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों को मजबूत बनाने की दिशा में काम करने, नगरीय क्षेत्रों में जलभराव रोकने के लिए निकासी की व्यवस्था करने, जंगलों के पुनरुद्धार तथा प्रदूषणकारी तत्वों के उत्सर्जन में कमी लाने से संबंधित अन्य प्रयास भी इस दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा है। इसके अलावा इस सदी के मध्य तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत को उद्योगों और कारोबारियों के साथ आम राय बनाने की दिशा में भी काम करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि जलवायु संबंधी कदमों को आगे बढ़ाने के लिए भारत को अभी बहुत काम करना होगा और वह अंतर्राष्ट्रीय विचार विमर्शों में जलवायु परिवर्तन के विषय को आगे बढ़ाने के मामले में विश्व नेता बन सकता है।

कोरोना वैक्सीन लगवाने से इनकार करने वाले कर्मचारी को वायुसेना ने किया बर्खास्त, कई लोगों को नोटिस

अहमदाबाद (एजेंसी)। कोरोना वैक्सीन लगवाने से इनकार करने वाले अपने एक कर्मचारी को वायुसेना ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को गुजरात हाई कोर्ट को यह जानकारी दी। टीका लगवाने को सेवा की शर्तों में शामिल किया गया था। अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल देवांग व्यास ने वायुसेना के कॉपीरल योगेंद्र कुमार की याचिका पर बुधवार को उच्च न्यायालय में सौंपे अपने जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने न्यायमूर्ति एजे देसाई और न्यायमूर्ति एपी ठाकेर की खंडपीठ को बताया कि पूरे भारत में नौ कमिऱ्यों ने टीका लगवाने से मना किया है और उन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।व्यास ने उच्च न्यायालय को बताया कि इनमें से एक ने नोटिस का जवाब नहीं दिया और उसे सेवा से निष्कासित कर दिया गया।

आगे भी एक्शन लेते रहेंगे, कांग्रेस के आरोपों पर ट्विटर भी अड़ा, सैकड़ों नेताओं के अकाउंट्स किए लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस और उसके कई सीनियर नेताओं के अकाउंट्स को लॉक किए जाने को लेकर ट्विटर अपनी कार्रवाई पर अड़ गया है। सोशल मीडिया कंपनी का कहना है कि हम अपने नियमों को न्यायिक तरीके से और बिना किसी पक्षपात के लागू करते हैं। ट्विटर के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमारी सर्विस के तहत हर किसी पर नियम न्यायिक तरीके से और बिना किसी पक्षपात के लागू किए जाते हैं। हमने ऐसे सैकड़ों ट्वीट पर अपनी ओर से एक्शन लिया है, जिसमें वह तस्वीर शेयर की गई थी, जो हमारे नियमों का उल्लंघन करती है। हम आगे भी अपने नियमों के तहत कार्रवाई करते रहेंगे। यही नहीं ट्विटर ने कहा, कुछ निजी जानकारियों में दूसरी चीजों के मुकाबले काफी रिस्क रहता है। हमारा लक्ष्य है कि किसी भी व्यक्ति की प्राइवेसी को बचाया जाए और उनकी सुरक्षा

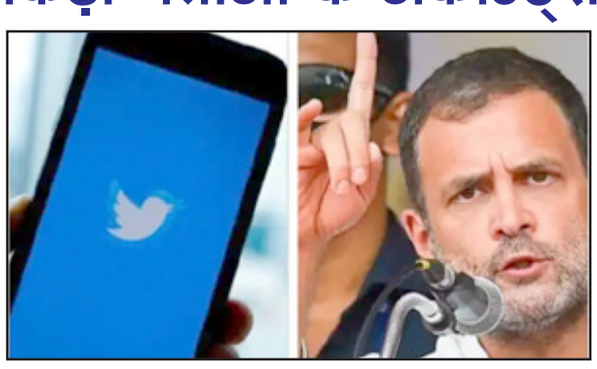

सुनिश्चित की जा सके। हम अपने प्लेटफॉर्म पर लोगों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे ट्विटर के नियमों को समझें और पालन करें। इसके अलावा कहीं भी किसी की ओर से उल्लंघन होता है तो फिर रिपोर्ट करें। ट्विटर का कहना है कि उसे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस तस्वीर को लेकर अलर्ट किया था। बता दें कि दिल्ली के नंगला गांव में बीते सप्ताह एक दलित बच्ची के रेप और मर्डर के मामले में बवाल मचने के बाद राहुल गांधी उसके परिजनों से मुलाकात के लिए गए थे।राहुल गांधी ने बच्ची के परिजनों से अपनी कार में ही मुलाकात की थी और उसकी तस्वीर ट्विटर पर शेयर की थी। उनकी ओर से बच्ची के परिजनों की तस्वीर शेयर किए जाने को कानून का उल्लंघन बताया गया था, जिसके तहत नाबालिग रेप पीडि़ता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती। ट्विटर ने कहा कि आयोग की ओर से जानकारी मिलने के बाद हमने रिव्यू किया और पाया कि इस तरह से तस्वीर शेयर करना हमारे नियमों और पॉलिसी का उल्लंघन है, जिसके बाद एक्शन लिया गया। इसके अलावा भारतीय कानूनों के भी खिलाफ है। बता दें कि सबसे पहले ट्विटर की ओर से राहुल गांधी का अकाउंट लॉक किया गया था। उसके बाद वही तस्वीर कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के अन्य नेताओं की ओर से भी शेयर की गई थी। जिस पर एक्शन लेते हुए ट्विटर ने उनके भी अकाउंट्स को कुछ वक्त के लिए लॉक कर दिया। गुरुवार को कांग्रेस के कई नेताओं ने उस तस्वीर को शेयर किया, जिस पर ट्विटर ने उनके अकाउंट्स को भी लॉक कर दिया। कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला, अजय माकन, सुष्मिता देव और मणिकम टैगोर जैसे कई नेताओं के अकाउंट्स को अब तक लॉक किया जा चुका है। इस बीच कांग्रेस ने ट्विटर पर केंद्र की मोदी सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा, ट्विटर सरकार के दबाव में काम कर रहा है।

चीन की नकल कर भारत नहीं बन सकता अगला मैन्युफैक्चरिंग हब, नीति आयोग के मुखिया की कारोबारियों को सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग के अध्यक्ष अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत, चीन की नकल कर दुनिया में अगला मैन्यूफैक्चरिंग हब नहीं बन सकता। अमिताभ कांत ने कहा है कि अगर भारत को ग्लोबल लीडर बनना है तो उसे अपने उभरते क्षेत्रों में विकास करना होगा। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के एक वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान अमिताभ कांत ने कहा कि भारत के निजी क्षेत्रों को खुद ही अपने लिए एक महत्वकांक्षी टारगेट निश्चित करना होगा और ग्रीन हाइड्रोजन, हाई-एंड बैट्रीज और एडवांस सोलर प्लांट पर फोकस करना होगा ताकि वो इस प्रतियोगिता में शामिल हो सके। चीन का नकल कर भारत दुनिया का अगला मैन?यूफैक?चरिंग हब नहीं बन सकता। हमें हमेशा उभरते क्षेत्रों के विकास की तरफ देखना होगा। यह वो समय है

जब आप अपने इन क्षेत्रों के विकास पर ध्यान दें। अमिताभ कांत के मुताबिक चीन जिन क्षेत्रों में पहले से लीडर की भूमिका में है उन क्षेत्रों में भारत आगे नहीं बढ़ सकता। अमिताभ कांत ने कहा कि भारत के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मजबूत अग्रणी कंपनियां मौजूद हैं। ये (हाइड्रोजन, हाई एंड बैट्रीज और एडवांस सोलर प्लांट) वो क्षेत्र हैं जहां तकनीकि विकास है। अमिताभ कांत ने कहा कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया दोनों का ही निर्यातक बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले पांच सालों में सोलर एनर्जी के दाम गिरकर 1 रूपया प्रति यूनिट हो जाना चाहिए। और इसलिए इससे ऐसे हालात बनेंगे कि भारत के ग्रीन उत्पाद भारत के हाई कार्बन उत्पादों से ज्यादा सस्ते हो जाएंगे। अमिताभ कांत ने कहा कि यूरोप और अमेरिका एक साथ मिलकर लगभग 550 गीगावाट्स ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया आयात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य होना चाहिए कि वो कम से कम 200 गीगावाट ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया साल 2030 तक निर्यात करे। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योगों को डिजीटल होने के साथ-साथ स्किल में इन्वेस्ट और प्रतियोगी होने की जरुरत है। अमिताभ कांत ने कहा कि कोविड महामारी की वजह से जो मुश्किलें आई हैं वो रुकावट का कारण नहीं बनेंगी। निजी क्षेत्रों को प्रतियोगी होने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि दुनिया ग्रीन टेकनेलॉजी की तरफ जा रही है और पुरानी टेकनेलॉजी खत्म हो जाएगी। ग्रीन तकनीक ही भविष्य है। भारत ग्रीन एनर्जी से जुड़े प्रोजेक्ट्स के दाम को कम करने के लिए बेहतरीन प्रयास कर रहा है। आयोग इस वक्त कई राज्यों के साथ इलेक्ट्रीक व्हीकल और ग्रीन मोबिलिटी पर काम कर रहा है और इस दिशा में राज्यों के प्रयास सराहनीय है।

वतन में बेघर अफगानिस्तानियों को मिला जर्मनी में सहारा, मिली अस्थायी तौर पर रहने की अनुमति

डॉयचे वेले, नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी और नीदरलैंड्स ने अफगानिस्तान में बढ़ते तनाव के कारण अफगानों को अस्थायी रूप से रहने की अनुमति दी है, जो राजनीतिक शरण लेने में विफल रहे हैं। इससे अपने ही वतन से बेघर होकर निकले अफगानियों को बड़ा ठिकाना मिला है। जर्मन गृह मंत्रालय ने बुधवार को डीडब्लूयू को बताया कि अफगानिस्तान में अस्थिर सुरक्षा स्थिति के कारण अफगान नागरिकों का निर्वासन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी के साथ तालिबान तेजी से देश पर नियंत्रण हासिल कर रहा है। अब तक कई प्रांतीय राजधानियों समेत देश के बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुका है।

बुधवार को तालिबान ने उत्तर

पूर्व में बदख्शां प्रांत की राजधानी फैजाबाद पर भी कब्जा कर लिया। इसके साथ ही आठ राज्यों की राजधानियों पर उसका पूर्ण कब्जा हो चुका है। कंधार शहर में भी तेज लड़ाई जारी है। जर्मनी के गृह मंत्री हॉर्स्ट जेहोफर के मुताबिक, जिन लोगों को जर्मनी में रहने का कोई अधिकार नहीं है, उन्हें देश छोड़ देना चाहिए, लेकिन एक संवैधानिक राज्य अपनी जिम्मेदारियों को समझता है और यह सुनिश्चित करना चाहता है कि देश से निकालने से उनकी जिंदगी खतरे में ना पड़ जाए। जेहोफर ने पहले संघर्ष के बावजूद निर्वासन का समर्थन किया था, अब बुधवार के फैसले का बचाव किया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता स्टीव ऑल्टर ने बुधवार को कहा कि जर्मनी से करीब 30,000 अफगानों को वापस भेजा जाना है।